mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-63 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

05 मार्च 2025 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

कई खिलाड़ियों ने ...
@ पेज 7

आधी रात को पड़ा छापा, बरामद हुए 17 पेपर और 1.17 करोड़ रुपये नकद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रेल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीबीआई ने बीती रात एक छापेमार कार्रवाई में रेलवे की एक परीक्षा में नकल कराने की

● रेलवे की परीक्षा से पहले सीबीआई को बड़ी सफलता

तैयारी कर रहे एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। सीबीआई ने बताया कि 3 और 4 मार्च 2025 की मध्य रात्रि को चलाए गए एक अभियान के दौरान मुगल सराय में पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत विभागीय परीक्षा पेपर लीक घोटाले का पता लगाया और उसका भंडाफोड़ किया। इस मामले में अब तक एक सीनियर डीईई (ऑप्स) और 8 अन्य रेलवे अधिकारियों तथा अज्ञात अभ्यर्थी और अज्ञात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि पूर्व मध्य रेलवे ने 4 मार्च, 2025 को मुख्य लोको इंस्पेक्टर के पदों के लिए विभागीय परीक्षा होनी थी। इसी को लेकर मुगलसराय में बीती रात 3 जगहों पर सीबीआई ने छापा मारा। जांच के दौरान सीबीआई को कुल 17 अभ्यर्थियों के पास से हाथ से लिखे प्रश्नपत्रों की फोटोकॉपी मिले और ये पेपर हूबहू मूल पेपर से मैच करते हैं।

सीबीआई ने बताया कि अब तक की गई जांच में पता चला कि आरोपी सीनियर डीईई (ऑप्स) को उक्त परीक्षा के लिए पेपर तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने अपने हाथ से अंग्रेजी में पेपर लिखे थे और कथित तौर पर इसे एक लोको पायलट को दिया था, जिसने इसे हिंदी में ट्रांसलेट किया और आगे एक ओएस (ट्रेनिंग) को दिया।

सीबीआई ने आगे बताया कि ओएस (ट्रेनिंग) ने कथित तौर पर इसे कुछ अन्य रेलवे कर्मचारियों के जरिए उम्मीदवारों को दिया। इसके बाद सीबीआई ने पैसे लेने और पेपर सर्कुलेट करने के आरोप में आरोपी सीनियर डीईई (ऑप्स) और अन्य रेलवे के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है।

26 लोग हुए अब तक गिरफ्तार: सीबीआई ने बताया कि 17 विभागीय उम्मीदवारों ने कथित तौर पर पेपर के लिए पैसे दिए थे, ये सभी अभी वर्तमान में लोको पायलट के रूप में काम कर रहे हैं। सीबीआई ने 3 और 4 मार्च की रात को पेपर की प्रतियों के साथ इन सभी को रंगे हाथों पकड़ा है। वहीं, सीबीआई ने इस मामले में अब तक कुल 26 रेलवे अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

1.17 करोड़ नकदी भी बरामद: इसके अलावा, सीबीआई ने 8 स्थानों पर छापा मारा है, जिसके फलस्वरूप जांच एजेंसी ने 1.17 करोड़ रुपये भी नकद बरामद किए हैं। बताया गया कि कथित तौर पर यह पैसे पेपर लीक करने के लिए उम्मीदवारों से वसूली गई थी। मामले में अभी सीबीआई की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

हमले से सर्बिया की संसद हुई धुआं-धुआं

सर्बिया (एजेंसी)। सर्बिया की संसद पर बड़ा हमला हुआ है। इसके अपने ही सांसदों ने पार्लियामेंट पर हमला कर दिया। सांसद सर्बिया सरकार की कुछ नीतियों का विरोध कर रहे थे। सांसदों ने आक्रोश में पार्लियामेंट पर स्मोक बम और अंडे फेंक दिए। इससे सर्बिया की संसद धुआं-धुआं हो गई। इतना ही नहीं,विपक्षी सांसदों ने हाथापाई शुरू कर दी। संसद में कई आंसू गैस के गोले भी फेंक दिए। इससे जोरदार हंगामा और

बवाल मच गया। बता दें कि यह पूरा बवाल शिक्षा के लिए धन बढ़ाने को लेकर था। सरकार विश्वविद्यालयी शिक्षा के लिए धन बढ़ाना चाहती थी। सभी सांसदों को इस पर मतदान करना था, लेकिन विपक्षी सांसदों ने इस सत्र को अवैध करार देते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके अलावा करीब 4 महीने पहले सर्बिया के रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसे लेकर विपक्षी सांसद और छात्र तभी से सरकार के खिलाफ लामबंद हैं। छात्रों ने 1 हफ्ते पहले भी सरकार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया था। विपक्षी सांसद पार्लियामेंट में हंगामा करते हुए सर्बिया के पीएम मिलोस वुसेविक का इस्तीफा मांगने लगे। सांसदों का कहना था कि प्रधानमंत्री और उनकी पूरी कैबिनेट इस्तीफा दे। इससे दोनों पक्षों में सांसदों के बीच हाथा-पाई शुरू हो गई।

अपना रक्षा बजट और अधिक बढ़ाएगा चीन

बीजिंग (एजेंसी)। चीन अपनी ताकत से लगातार अमेरिका को चुनौती दे रहा है। वह सुपर पॉवर बनने के लिए अपनी सामरिक ताकत को बढ़ाता जा रहा है। चीन ने मंगलवार को अपना रक्षा बजट बढ़ाने का संकेत देते हुए कहा कि शांति और

संप्रभुता की सिर्फ ''ताकत से रक्षा'' की जा सकती है। चीन बुधवार को अपने रक्षा व्यय का ब्योरा प्रस्तुत करेगा जो संसद (नेशनल पीपुल्स कांग्रेस) में प्रधानमंत्री ली कियांग द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले मुख्य बजट का एक हिस्सा है। पिछले साल चीन ने अपने रक्षा बजट को 7.2 प्रतिशत बढ़ाकर लगभग 232 अरब अमेरिकी डॉलर (1.67 ट्रिलियन युआन) कर दिया था जो भारत के बजट से तीन गुना से अधिक है। चीन अपने सभी सशस्त्र बलों का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण करने का काम जारी रखे हुए है। चीन के रक्षा बजट के आंकड़ों को उसके द्वारा विमानवाहक पोतों के निर्माण, उन्नत नौसैनिक जहाजों और आधुनिक स्टील्थ विमानों के तेजी से निर्माण सहित बड़े पैमाने पर सैन्य आधुनिकीकरण के मद्देनजर संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। खर्च का बचाव करते हुए नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के प्रवक्ता लू किनजियान ने यहां मीडिया से कहा कि ''शांति की रक्षा के लिए ताकत जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि मजबूत राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं के साथ, चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास से जुड़े हितों की बेहतर ढंग से रक्षा कर सकता है, एक प्रमुख देश के रूप में अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकता है और विश्व शांति और स्थिरता की रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में चीन का रक्षा व्यय वैश्विक औसत से कम है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने स्वीकार किया मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा,

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सिफारिश पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। मुंडे ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। महाराष्ट्र में बीड के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे धनंजय मुंडे ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी और चिकित्सा कारणों पर विचार करने के बाद महाराष्ट्र मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुंडे ने यह भी कहा कि बीड जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की जघन्य हत्या से संबंधित तस्वीरें देखकर वह बेहद दुखी हैं। बता दें कि विपक्ष पिछले तीन से मुंडे का इस्तीफा मांग रहा था।

सरपंच संतोष देशमुख देशमुख को पिछले साल नौ दिसंबर को कथित तौर पर जिले में एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर की जा रही जबरन वसूली के प्रयास को रोकने की कोशिश करने पर अगवा कर लिया गया और प्रताड़ित किया गया था। इसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। देशमुख हत्या मामले और दो संबंधित मामलों में सीआईडी द्वारा दायर आरोपपत्र में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड को आरोपी नंबर एक बनाया गया है। वहीं, महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे ने मंगलवार को कहा कि उनके चचेरे भाई और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे को मंत्री पद से पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था और सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद पैदा हुई स्थिति से निकलने का सम्मानजनक रास्ता निकालना चाहिए था। मंत्री ने कहा, ''जब हम कोई पद ग्रहण करते हैं, तो हमें राज्य के हर व्यक्ति को समान समझना चाहिए। इस्तीफा देने का फैसला देशमुख परिवार के दर्द और पीड़ा की तुलना में कुछ भी नहीं है। उन्होंने (धनंजय मुंडे) सही फैसला लिया है। देर आए दुरुस्त आए।

आतिशी ने किया विरोध प्रदर्शन, कहा-

मोदी जी ने वादा किया था 2500 देने का, सिर्फ 4 दिन बाकी हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने आज दिल्ली सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान आतिशी ने कहा, हम विरोध नहीं कर रहे हैं। हम इंतजार कर रहे हैं। मोदी जी ने कहा था कि दिल्ली की महिलाओं के बैंक खातों में 2500 रुपये की पहली किस्त जमा की जाएगी। उन्होंने कहा था कि यह उनकी गारंटी है। 4 दिन बचे हैं। इसलिए हम इंतजार कर रहे हैं। आतिशी ने कहा कि मोदी जी ने कहा था कि 8 मार्च को 2500 की पहली किश्त आएगी। यह मोदी जी की गारंटी है। अब केवल 4 दिन बचे हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी जी ने गारंटी दी थी, दिल्ली की महिलाओं को, इसमें केवल 4 दिन बाकी हैं। दिल्ली की अलग-अलग हिस्सों से महिलाएं आई हैं और उन्हें इंतजार है। मोदी जी ने कहा था कि अपने-अपने फोन को बैंक खाते से लिंक कर लें और 8 मार्च को 2500 आएंगे। मोदी जी झूठ तो नहीं बोलते हैं। उन्होंने कहा था कि पहली कैबिनेट में ही इसे पास करेंगे। लेकिन दूसरी कैबिनेट में जो फैसला आएगा उसका हम इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले रेखा गुप्ता के शपथ ग्रहण समारोह के दिन भी आतिशी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। उस वक्त आतिशी ने कहा था कि पहली कैबिनेट की बैठक के साथ ही सीएम रेखा गुप्ता दिल्ली की महिलाओं के लिए 2500 रुपये जारी करेंगी। हालांकि पहली कैबिनेट की बैठक में महिलाओं को दी जाने वाली राशि पर कोई चर्चा नहीं हो सकी। आतिशी लगातार दिल्ली सरकार को 2500 वाले मुद्दे फर घेर रही हैं। पिछले कई दिनों से लगातार आतिशी इसी मांग को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साध रही हैं। बता दें कि चुनाव प्रचार के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा के कई नेताओं ने वादा किया था कि चुनाव जीतने के बाद दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये की राशि दी जाएगी।

पहलवान सुशील कुमार को नियमित जमानत मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने पहलवान सुशील कुमार को नियमित जमानत दे दी है। उन्हें मई 2021 में हत्याकांड में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें इससे पहले जुलाई 2023 में घुटने की सर्जरी के लिए 7 दिन की अंतरिम जमानत दी गई थी। सागर हत्याकांड में दिल्ली पुलिस की तरफ से दाखिल चार्जशीट के मुताबिक ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार और उसके साथियों ने छत्रसाल स्टेडियम का दरवाजा अंदर से बंद करने के बाद पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और अन्य को डंडों, हॉकी और बेसबॉल की बेट से 30 से 40 मिनट तक पीटा था। धनखड़ और उसके चार दोस्तों के साथ संपत्ति विवाद को लेकर चार और पांच मई (2021) की दरम्यानी रात को स्टेडियम में कुमार और अन्य ने कथित तौर पर मारपीट की थी। बाद में, जख्मों के कारण सागर की मौत हो गई थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि सागर और उसके दोस्तों को दिल्ली में दो अलग-अलग जगहों से अगवा कर स्टेडियम में लाया गया था जिसके बाद गेट को अंदर से बंद कर दिया गया था और सुरक्षा गार्डों को वहां से जाने के लिए कहा गया था।

शारीरिक परीक्षा के दौरान 20 वर्षीय उम्मीदवार की चली गई जान!

फॉरेस्ट गार्ड की नौकरी के लिए गया था, पिता बोले- वह पूरी तरह फिट था

सुंदरगढ़ (एजेंसी)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां एक 20 साल के नौकरी के उम्मीदवार प्रवीण पांडा की शारीरिक परीक्षा के दौरान मौत हो गई। यह घटना सुंदरगढ़ जिले के भवानिपुर से बारगढ़ तक आयोजित एक 25 किलोमीटर लंबी वॉक के दौरान हुई। ओडिशा सब-ऑर्डिनेट स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (ह्स्स्स्ष्ट) की ओर से आयोजित की जा रही शारीरिक परीक्षा में प्रवीण भी अन्य उम्मीदवारों की तरह ही शामिल हुआ था। परीक्षा के हिस्से के रूप में सभी उम्मीदवारों को 25 किलोमीटर की दूरी चार घंटे में तय करनी थी। प्रवीण ने लगभग 5 किलोमीटर की दूरी तय की थी। दौड़ के दौरान अचानक प्रवीण किरेई इलाके के पास गिर पड़ा। यह घटना सुबह लगभग 9ः30 बजे हुई। तुरंत उसे सुंदरगढ़ जिला मुख्यालय अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

प्रवीण के पिता खडाल पांडा इस दर्दनाक घटना से पूरी तरह से टूट गए। उन्होंने बताया कि वह अपने बेटे के साथ सोमवार को सुंदरगढ़ पहुंचे थे ताकि वह इस शारीरिक परीक्षा में भाग ले सके और सरकारी नौकरी हासिल कर सके। उन्होंने कभी भी यह कल्पना नहीं थी कि वह अपने बेटे का शव लेकर घर लौटेंगे। मृतक के पिता खडाल पांडा ने कहा कि परीक्षा से

पहले उनका बेटा पूरी तरह से फिट और खुश था, लेकिन जब उन्हें जानकारी मिली कि प्रविण अस्पताल में भर्ती है, तो वह अस्पताल पहुंचे और वहां यह खबर सुनने को मिली कि उनका बेटा अब इस दुनिया में नहीं रहा।

सुंदरगढ़ के एडीएम ने कहा, %प्रवीण सुबह फॉरेस्टर और फॉरेस्ट गार्ड के नौकरी की परीक्षा देने आया था। वह पहले से ही मेडिकली फिट था। उसने अन्डरटेकिंग दिया था की वह इस परीक्षा में चल सकता है। चूंकि गाइडलाइन के हिसाब से चलना अनिवार्य है लिहाजा उसने चलना शुरू किया और 4 किलोमीटर चलने के बाद वह बेहोश हो गया। मेडिकल स्टाफ को तुरंत इस बात की जानकारी दी गई और उसे तुरंत अस्पताल ले आया गया।

बुरे फंसे अबू आजमी के बेटे फरहान

गोवा पुलिस ने दर्ज किया केस

पणजी (एजेंसी)। पणजी गोवा पुलिस ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा में समाजवादी पार्टी विधायक अबू आजमी के बेटे अबू फरहान आजमी और अन्य के खिलाफ राज्य में सार्वजनिक स्थान पर मारपीट करने और शांति भंग करने के आरोप में मामला दर्ज किया। रेस्तरां मालिक और उद्यमी अबू फरहान आजमी अभिनेत्री आयशा टाकिया के पति हैं।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब सपा विधायक अबू आजमी को मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली अपनी टिप्पणी के लिए महाराष्ट्र में स्नढ्ढक्र और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।गोवा पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उनके नियंत्रण कक्ष को सोमवार रात 11.12 बजे एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि कैंडोलिम (उत्तरी गोवा जिला) के एक सुपर मार्केट में झगड़ा हो रहा है। कलांगुट पुलिस थाना के निरीक्षक परेश नाइक ने बताया कि झगड़े के दौरान अबू फरहान आजमी ने प्रतिद्वंद्वी ग्रुप से कहा कि उसके पास लाइसेंसी बंदूक है।पुलिस ने बताया कि

फरहान आजमी मर्सिडीज एसयूवी में जा रहे थे और जब वे सुपरमार्केट के पास मुड़े, तो उनके पीछे एक गाड़ी में सवार दो स्थानीय लोगों ने आजमी से बहस की। उनका दावा था कि लेन बदलते समय उनकी कार ने बिना इंडिकेटर का इस्तेमाल किए मोड़ लिया। बहस के दौरान ही दोनों लोगों के परिवार के सदस्य और स्थानीय लोगों का एक समूह वहां आ गया। उन्होंने आजमी और उनके ड्राइवर को कार से बाहर निकलने को कहा। इस दौरान फरहान आजमी ने उनसे कहा कि उसके पास लाइसेंसी बंदूक है।अधिकारी ने बताया कि जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि दो समूहों के बीच -जिसमें फरहान आज़मी का समूह भी शामिल था- मामूली बात को लेकर झगड़ा हुआ था। पुलिस विज्ञप्ति के मुताबिक, झगड़े में शामिल दोनों पक्षों को बाद में कलांगुट पुलिस थाने लाया गया।

हिमाचल में बर्फबारी और लैंडस्लाइड से लोगों भारी परेशानी

मौसम विभाग ने कई जगहों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया

मुंबई (एजेंसी)। गर्मी का मौसम शुरू हो गया है लेकिन पहाड़ी इलाकों में हालात कुछ और हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर भारी बर्फबारी हो रही है तो कहीं-कहीं लैंडस्लाइड भी हो रहा है। मौसम विभाग ने कई जगहों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों को विशेष सावधानी बरतनें की सलाह भी दी है। बर्फबारी और लैंडस्लाइड से लोगों भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहाड़ों पर पिछले 24 घंटे में भारी बर्फबारी हुई है। हिमाचल के लाहौल-स्पीति, चंबा, कुल्लू, मनाली और किन्नौर में इतनी बर्फ गिरी है कि सड़क से लेकर पहाड़ों, घरों और मैदानों में बर्फ की मोटी परत जम गई है। शिमला में भी हल्की बर्फबारी और बारिश हुई तो उत्तराखंड के चमोली में बारिश के बाद फिर एक बड़ा लैंडस्लाइड हुआ। जम्मू-कश्मीर के बनिहाल, डोडा और श्रीनगर में बर्फबारी

और बारिश से हालात खराब हैं। सड़कों पर बर्फ जमने से ट्रैफिक पर असर पड़ा है। वैसे तो मार्च में पहाड़ों पर बर्फबारी पहले भी होती रही है लेकिन इस बार मार्च के पहले ही हफ्ते में भारी बर्फबारी का रिकॉर्ड बन गया है। इस बार फरवरी में औसत से ज्यादा गर्मी पड़ी लेकिन फरवरी के आखिरी हफ्ते से अचानक मौसम में बदलाव हुआ। मार्च के पहले हफ्ते में भीषण बर्फबारी हो रही है वो नॉर्मल नहीं है क्योंकि मौसम में बार-बार अचानक बदलाव हो रही है। फरवरी गर्म रही तो मार्च में फिर भारी बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ टूरिस्टों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। हिमाचल के कई जिलों में भारी बारिश और बर्फबारी के साथ-साथ बिजली गिरने की भी वॉर्निंग जारी की गई है। हिमाचल के चंबा, कुल्लू और किन्नौर जिलों में बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट है तो कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल में भारी बर्फबारी और बारिश से ट्रैफिक पर बड़ा असर पड़ा है। साथ ही पानी और बिजली सप्लाई सप्लाई भी बाधित हुई है। कई जगहों से आने-जाने का रास्ता बंद हो गया है। सड़कों पर कई फीट बर्फ जमने से 365 सड़कों, 3 नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक बंद है।

दिल्ली बीजेपी नेता की मौत, पार्टी कार्यालय में लटका मिला शव,

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक बीजेपी नेता के खुदकुशी का मामला सामने आया है। बीजेपी के पूर्व निगम पार्षद ठाकुर अवधेश सिंह ने उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला कार्यालय यमुना विहार में फांसी लगाकर जान दी। बीजेपी नेता की मौत की खबर की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मंगलवार सुबह करीब 12 बजे एक शख्स कार्यालय पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। जाली से झांककर देखा तो पंखे से लटककर अवधेश सिंह ने खुदकुशी कर ली थी।

फिलहाल घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। बीजेपी नेता की मौत की सूचना मिलते ही तुरंत ही पुलिस की टीम मौके पर आ पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल पर जांच-पड़ताल की। बीजेपी के ऑफिस कार्यालय को सबूत इकट्ठ करने के लिए सील कर दिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। साथ ही स्थानीय नेताओं से पूछताछ भी करेगी।

सातवीं मध्य प्रदेश स्टेट मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विंग्स बैडमिंटन अरेना में आयोजित सातवीं मध्य प्रदेश स्टेट मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप में डॉ. राजीव सक्सेना ने दो खिताब अपने नाम किए। 50 प्लस पुरुष डबल्स में डॉ. सक्सेना और राजेश गुप्ता की जोड़ी ने रजनीश मारण और सुधीर को कड़े मुकाबले में हराया। स्कोर रहा 17-21, 21-19, 21-9। इसी प्रतियोगिता में 50 प्लस मिक्स्ड डबल्स का खिताब भी डॉ. सक्सेना ने जीता। उन्होंने ग्रेसी सिंह के साथ मिलकर हबीब और सुनीता सिंह की जोड़ी को 21-19, 21-12 से पराजित किया। यह प्रतियोगिता भोपाल के विंग्स क्लब बैडमिंटन हॉल में आयोजित की जा रही है।

संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा में प्लास्टिक सर्जरी से जोड़ा कटा हुआ हाथ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा के प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने दुर्घटना ग्रस्त श्री अनिल साकेत का कटा हुआ हाथ जटिल शल्य चिकित्सा से पुनः जोड़ने में सफलता प्राप्त की है। इस सफलता पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा के प्लास्टिक सर्जन डॉ. अजय पाठक एवं उनकी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आपकी कार्यक्षमता से प्रदेश की जनता लाभान्वित हो रही है एवं उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त कर रही है। उल्लेखनीय है कि ग्राम सलैया, जिला सीधी निवासी 28 वर्षीय श्री अनिल साकेत का बायां हाथ लकड़ी काटने की मशीन से कलाई से पूर्णतः अलग हो गया था। मरीज को गंभीर अवस्था में उसी दिन सुबह चिकित्सालय लाया गया, जहां वरिष्ठ प्लास्टिक एवं शल्य चिकित्सकों ने तत्काल मूल्यांकन कर पुनः अंग जोड़ने की शल्य प्रक्रिया करने का निर्णय लिया। प्लास्टिक सर्जन डॉ. अजय पाठक एवं वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम द्वारा लगभग 6 घंटे तक चले इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस सर्जरी में अस्थि रोग विभाग के डॉ. बी.बी. सिंह, निश्चेतना विभाग के डॉ. अरविंद राठिया तथा डॉ. आशुतोष का विशेष योगदान रहा।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक नए मानक की स्थापना करते हुए संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) ने अप्रैल 2025 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। यह संस्थान तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को नवीनतम उद्योग आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार कर रहा है। तकनीक की दुनिया लगातार बदल रही है। इसी बदलाव के अनुरूप एसएसआरजीएस पीने उन्नत पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। यहां ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी (पॉवर एंड कंट्रोल), एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन, नेटवर्किंग और सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेशन, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल सर्विसेज, इलेक्ट्रॉनिक्स (मोबाइल डिवाइसेज और आईओटी इंटीग्रेशन), मेकाट्रॉनिक्स, मैकेनिकल टेक्नोलॉजी और प्रिसिजन इंजीनियरिंग जैसे आधुनिक कोर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रदेश के युवा तकनीकी रूप से सक्षम होकर आत्मनिर्भर बनें, यह सरकार की प्राथमिकता है। उद्योगों की बढ़ती मांग को देखते हुए एसएसआरजीएसपी में विश्वस्तरीय कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि ने बताया कि ग्लोबल स्किल्स पार्क सिर्फ एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि प्रदेश को कुशल जनशक्ति देने का एक प्रभावी मंच है, जहां विद्यार्थियों को इंडस्ट्री-अनुकूल प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसरों से जोड़ा जा रहा है। तकनीकी दक्षता के साथ एसएसआरजीएसपी विद्यार्थियों को सुरक्षित और आधुनिक शिक्षण माहौल उपलब्ध कराता है। यहां व्यक्तिगत मार्गदर्शन, उद्योगों के साथ सीधा संवाद और व्यावहारिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे प्रशिक्षार्थी अपने कौशल को बेहतर कर सकें।

नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त, आर्थिक सांख्यिकी श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि भारत सरकार ने नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन अंतर्गत मध्यप्रदेश सरकार के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रुपये 1.23 करोड़ रूपए की मंजूरी दे दी है। यह स्वीकृति राज्य में उद्यमिता, डेटा-संचालित शासन, आर्थिक वृद्धि, जलवायु अनुकूलन और प्रभाव मूल्यांकन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और नीति आयोग के बीच विस्तृत विचार-विमर्श और सहयोग के बाद लिया गया। इससे राज्य के विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत ञ2047 के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई है। आयुक्त श्री गर्ग ने बताया कि इस स्वीकृति के 3 प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी-एमपी) नीति सुधारों, रणनीतिक साझेदारियों और एक समर्पित डिजिटल प्लेटफार्म को बढ़ावा देकर महिला नेतृत्व वाले उद्यम विकास में तेजी आयेगी। मध्यप्रदेश राज्य डेटा एनालिसिस प्लेटफ़ॉर्म (एसडीएपी) को नीति आयोग के राष्ट्रीय डेटा एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म (एनडीएपी) के सहयोग से विकसित किया जायेगा।

मध्यप्रदेश और जम्मू कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग के बीच हुआ एमओयू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग और जम्मू एवं कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग के बीच एमओयू किया गया। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू ङ्ककश्मीर में होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया को सशक्त करने में मदद करेगा। नेशनल कांफ्रेंस में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने प्रेजेंटेशन दिया।

एमओयू के तहत मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू और कश्मीर में होने वाले आगामी नगरीय निकाय चुनाव में 7 हजार ईवीएम और अन्य उपकरण उपलब्ध कराने के साथ ही पोलिंग स्टाफ को ट्रेनिंग भी दिलाएगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में किए गए नवाचारों को जम्मू और कश्मीर में लागू करवाने के लिए प्रयास करेगा। साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित बूथों पर पेपर लेस बूथ की प्रक्रिया अपनाने में मदद करेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव की उपस्थिति में एमओयू में सचिव मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह और सचिव जम्मू एवं कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग श्री सुशील कुमार ने हस्ताक्षर किए। सचिव श्री सुशील कुमार ने मध्यप्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त को इस एमओयू के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अब हमारे राज्य

में सुगमता से नगरीय निकाय निर्वाचन कराने में मदद मिलेगी।

पेंच नेशनल पार्क सिवनी में आयोजित राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के विषय विशेषज्ञों द्वारा सुगम-सुविधाजनक निर्वाचन सम्बन्धी विभिन्न विषयों पर प्रेजेंटेशन दिए गये। आईसीपीएस (इंटरनेशनल सेंटर फॉर पार्लियामेंटलरी स्टडीज) लंदन के डायरेक्टर श्री अरविंद वेंकटरमन ने ' 'रिकगनाइजिंग इंडियास रोल एस ग्लोवल लीडर इन इलेक्शन एंड इलेक्टोरल डिप्लोमेसी'' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने भारत जैसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले देश मे निर्वाचन प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए इलेक्टोरल मैनेजर, ई-लर्निंग जैसे ए-आई टूल्स तथा ब्लॉक चैन के उपयोग करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। सेल्स डायरेक्टर एपीएसी टर्की श्री मेहमत बुरक ने दूरस्थ मतदाता के पंजीयन तथा ऑनलाईन मतदान की कार्ययोजना पर अपना प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने मतदाताओं के डिजिटल प्रक्रिया द्वारा पंजीयन तथा बायोमेट्रिक से मतदाताओं के पहचान करने की प्रक्रिया पर जानकारी दी। साथ ही सुरक्षित, सुविधाजनक एवं पारदर्शी रूप से ऑनलाइन वोटिंग कराने की प्रक्रिया के बारे में बताया। कनाड़ा, बेनिन में वोटर रजिस्ट्रेशन एप्लिकेशन का डेमो भी दिया। वर्कली विश्वविद्यालय केलि फोर्निया के रिसर्च स्कालर श्री प्रनव गुप्ता और अनस्तुभ अग्निहोत्री ने स्थानीय निर्वाचन में रिसर्च करने के संबध में प्रेजेंटेशन दिया।

देश मे सुगम, सुविधाजनक पारदर्शी निर्वाचन कराने में ईवीएम, सॉफ्टवेयर सहित अन्य सपोर्ट उपलब्ध कराने वाले संस्थान इलेक्ट्रानिक्स कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईआईटी लिमिटेड बैंगलुरु के प्रतिनिधियों द्वारा राज्य निर्वाचन आयुक्तों के समक्ष निर्वाचन में किये जा रहे अनुसंधानों के बारे में अपना प्रेजेंटेशन दिया। विशेष रूप से नवीन एस-3 ईव्हीएम, इलेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग की कार्यविधि और लाभ को रेखांकित किया। इसी तरह पोलिंग एवं काउंटिंग में उपयोग होने वाले विभिन्न एप्लीकेशन के संबंध में आईएनसीटी चेन्नई के सीईओ श्री गजपथी ने प्रेजेंटेशन दिया। अमिट स्याही और अन्य चुनाव सम्बन्धी सामग्री के संबंध में हैदराबाद एवं जयपुर की कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने प्रेजेंटेशन दिया।

वन्य-जीव संरक्षण एवं वनों में आग न लगने के उद्देश्य से जागरूकता-सह-साइकिल रैली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उमरिया जिले के बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में विश्व वन्य-जीव दिवस के अवसर पर वन्य-जीव संरक्षण और वनों में आग न लगने के उद्देश्य से जागरूकता-सह-साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली का नेतृत्व बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम शाह एवं उप संचालक श्री प्रकाश कुमार वर्मा ने किया। जागरूकता रैली में विभिन्न परिक्षेत्रों के अधिकारी-कर्मचारी एवं सुरक्षा श्रमिक शामिल हुए। कार्यक्रम में जिप्सी यूनियन, गाइड यूनियन एवं होटल यूनियन के प्रतिनिधियों द्वारा भी सहयोग किया गया। विशेष रूप से अरण्यक रिसोर्ट द्वारा रैली के लिये साइकिल उपलब्ध कराई गयी। उप संचालक बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व श्री प्रकाश वर्मा ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर परिक्षेत्रों के विभिन्न गाँवों के लिये रवाना किया। रैली में सहायक संचालक एवं परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा

भी साइकिल चलाकर वन्य-प्राणियों के प्रति जागरूकता और वनों में आग न लगने का संदेश दिया गया। रैली के माध्यम से जीरो फायर मिशन 2.0 का भी शुभारंभ किया गया। जीरो फायर मिशन 2.0 बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा वनों में आग की रोकथाम के लिये चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का एक संकलित रूप है।

सिंहस्थ निर्माण कार्यों को गुणवत्ता और समय सीमा मे काम करना सुनिश्चित करें-अपर मुख्य सचिव मंडलोई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव श्री नीरज कुमार मंडलोई ने उज्जैन में सोमवार को सिंहस्थ-2028 के प्रचलित और प्रस्तावित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम और ब्रिज कॉरपोरेशन व विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए हैं कि सभी 2 वर्ष में पूर्ण होने वाले निर्माण कार्य, जून-2027 तक आवश्यक रूप से पूर्ण किये जाएं। सभी विभाग के अधिकारी समन्वय करें, किसी प्रकार का कोई गतिरोध ना हो। कलेक्टर सभागृह में आयोजित बैठक में संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता, प्रभारी कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह, और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अपर मुख्य सचिव श्री मंडलोई ने बैठक मे सभी निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जून-2027 तक सभी बड़े कार्यों को पूर्ण करने की कार्य योजना बनाकर काम करें।

इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। कार्यों की डीपीआर बनाने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय होगी। संबंधित अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी लेना होगी।

एसीएस श्री मंडलोई ने रेलवे ओवर ब्रिज की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसके लिए ब्रिज कॉर्पोरेशन के चीफ इंजीनियर सीधे रेल्वे के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

निर्माण कार्यों में विलंब नहीं करें - राज्यमंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने एम.जी.एम. विद्यालय से खजूरी वायपास मार्ग निर्माण में हो रहे विलंब पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण के दौरान कोई कठिनाई अथवा समस्या हो तो उन्हें अवगत कराएं। सड़क निर्माण में देरी नहीं करें। लापरवाही नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जे.के. रोड निर्माण का पूरा कार्य मार्च 2025 अंत तक पूरा करना सुनिश्चित करें। जे.के. रोड का लोकार्पण अप्रेल 2025 के प्रथम सप्ताह में होगा। पिपलानी से खजूरी कलां वायपास निर्माण के कार्य को 30 अप्रैल 2025 तक पूरा किया जाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही आनंद नगर से यातायात नगर की सड़क के निर्माण को भी इसी वर्ष वर्षाकाल के पहले पूरा किया जाए। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने मंत्रालय में गोविन्दपुरा क्षेत्र की निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की समीक्षा की।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने आशिमा मॉल से वावड़िया कला नवीन ब्रिज निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की

कार्यवाही एक माह में पूरी करने के लिए कहा।

गोविन्दपुरा क्षेत्र में एम.जी.एम. विद्यालय से खजूरी बायपास सड़क निर्माण में विलंब होने पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने सहायक यंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी से कार्य का प्रभार वापिस लेने के निर्देश मुख्य अभियंता श्री संजय मस्के को दिए। उन्होंने महात्मा गाँधी सी.एम. राइज स्कूल की निर्माण ऐजेन्सी को जून अंत तक क्लास रूम निर्माण का कार्य पूरा करने और विद्यालय में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री संजय मस्के, एसडीएम श्री एल.के. खरे, पार्षद श्री व्ही शक्ति राव, श्रीमती शिरोमणी शर्मा, श्रीमती मधु शिवनानी, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री अवनिंद्र सिंह कार्यपालन यंत्री की जावेद शकील, श्री आर.एस. परते एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पैक्स कंप्यूटराइजेशन के सफल क्रियान्वयन के लिए पैक्स प्रबंधकों को मिलेगी 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रयोग में अग्रणी रहा है। केंद्र प्रायोजित पैक्स कम्प्यूटराइजेशन योजना के क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में मध्यप्रदेश देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है। वर्तमान में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) के डिजिटाइजेशन एवं सॉफ्टवेयर आधारित अंकेक्षण का कार्य प्रगति पर है। सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव श्री अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में योजना के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए गठित स्टेट लेवल इम्प्लीमेंटेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एसएलआईएमसी) की बैठक मंत्रालय में हुई। समिति ने सर्व सम्मति से पैक्स प्रबंधकों/ सहायक समिति प्रबंधकों को एकबारगी राशि 5000 रूपये की प्रोत्साहन राशि की स्वीकृति प्रदान की। इसके लिए 15 मई 2025 तक पैक्स को ई-पैक्स (तातारीख़ सॉफ्टवेयर पर कार्यशील होना) घोषित किया जाना अनिवार्य होगा। साथ ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों (डीसीसीबी) के 2 मास्टर ट्रैनर्स, जिनके बैंक की न्यूनतम 50 प्रतिशत पैक्स को उक्त दिनांक तक ई-पैक्स घोषित किया गया है, को प्रतिमाह राशि 1000 रुपए का प्रोत्साहन आगामी 12 माह तक प्रदान किया जाएगा। पैक्स प्रबंधकों को दी जाने वाले राशि का वहन अपैक्स बैंक तथा मास्टर ट्रेनर को दी जाने वाली राशि का वहन संबंधित डीसीसीबी द्वारा किया जाएगा। इस तरह अच्छे कार्य को सराहना देने में भी मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है। बैठक में श्रीमती सी सरस्वती(मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड आयुक्त सहकारिता प्रतिनिधि), श्रीमती अंजुली धुर्वे (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डीसीसीबी रायसेन), श्री विनय प्रकाश सिंह (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डीसीसीबी विदिशा) एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक समस्त सुविधाएं रहेंगी उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में अब समस्त सुविधाएं प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। यह केंद्र, दूसरी शिफ्ट यानि दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक भी संचालित होगा ज्ञातव्य है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने जनवरी 2024 में, उक्त केन्द्र के नवीन भवन का लोकार्पण किया था। इस अवसर पर केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा भी शामिल हुए थे। उल्लेखनीय है कि होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र, वर्ष 2016 से सतत् संचालित है। इस केंद्र में होम्योपैथिक चिकित्सा के अतिरिक्त योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से स्वस्थ बने रहने के लिए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में उत्पन्न होने वाली सभी प्रकार की समस्याओं के लिए उपचार प्रदान किया जाता है। इस केन्द्र में मुख्य उपचारों में शरीर के विभिन्न प्रकार के दर्द जैसे की पीठ का दर्द एड़ियों में दर्द आदि, मोटापा, मधुमेह, हाई बीपी एवं त्वचा संबंधी रोगों के विशेष पैकेज उपलब्ध है। थैरेप्यूटिक एवं सामान्य योग के माध्यम से स्वास्थ्य के संरक्षण एवं विभिन्न समस्याओं में योग की विशेषज्ञ के साथ उपचार प्रदान किए जाते हैं। केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल द्वारा संचालित इस केन्द्र में हाइड्रोथेरेपी, मसाज सोना, थैरेप्यूटिक योग, लोकल स्ट्रीम, बॉडी कंपोजिशन एनालिसिस जैसी समस्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। शरीर की संरचना के लिए उपयोगी समस्त सुविधाएं यहां उपलब्ध है, जो रोग के कारक एवं उनके उपचार ढूंढने में चिकित्सकों के लिए बहुत उपयोगी है। केन्द्र में उपलब्ध समस्त सुविधाओं की जानकारी एवं लाभ लेने के लिए दूरभाष क्रमांक 9202663862 पर संपर्क किया जा सकता है। सम्पर्क की सुविधा प्रातः 8 बजे से ही उपलब्ध है। सभी प्रकार की सुविधाओं में पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर लाभार्थियों को सेवाएं दी जाती हैं। शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय में भर्ती 100 से अधिक मरीजों को प्रतिदिन समस्त सेवाएं प्रदान की जाती हैं एवं ओपीडी या विजिट के आधार पर भी बड़ी संख्या में प्रतिदिन रोगियों को उपचारित किया जाता है। संस्थान के प्रधानाचार्य एवं सीईओ डॉ एसके मिश्रा ने बताया कि स्थानीय महाविद्यालय में संचालित यह केन्द्र देश का प्रथम ऐसा उदाहरण है, जहां सर्व समावेशी स्वास्थ्य के माध्यम से होम्योपैथी नेचुरोपैथी एवं योग के माध्यम से इतनी बड़ी संख्या में रोगों का उपचार किया जा रहा है। योग एवं जीवनचर्या के माध्यम से बहुत बड़ी संख्या में रोगियों, छात्र-छात्राओं आदि को स्वस्थ जीवन शैली के महत्व पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसे आने वाले समय में वह दवा मुक्त जीवन जी सकें और अपनी क्षमताओं का निर्माण कर सकें।

मानसिक रूप से अवसाद एवं चिंता से ग्रसित लोगों के लिए भी योग बहुत अधिक प्रभावकारी सिद्ध हुआ है। होम्योपैथी दवा के साथ जब इसका प्रयोग किया गया तो उनके परिणाम बहुत ही उत्साहवर्धक आए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए विशेष वॉकथॉन का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्टेट नोडल प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी, ऑन्कोलॉजी एवं इनफर्टिलिटी और सेंटर प्रभारी, काटजू अस्पताल, भोपाल डॉ. रचना दुबे ने बताया कि महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और उन्हें निवारक चिकित्सा एवं प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से डॉ. कैलाशनाथ काटजू शासकीय महिला अस्पताल, भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वॉक फॉर हेल्थ, वॉक फ़ॉर अवेयरनेस थीम पर विशेष वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सचेत बनाने के साथ-साथ कैलाशनाथ कटजू सिविल

अस्पताल में नव स्थापित स्टेट ऑफ़ आर्ट प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी और इनफर्टिलिटी सेंटर की सेवाओं के प्रति जागरूक कराने के लिए किया जा रहा है। डॉ. रचना दुबे ने बताया कि वॉकथॉन का आयोजन 8 मार्च 2025 को सुबह 7 बजे अटल पथ (स्मार्ट सिटी प्लैटिनम प्लाजा के समीप) से किया जाएगा। प्रतिभागियों के लिए निःशुल्क पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है, जो प्रातः 6:30 बजे से 7:00 बजे तक किया जाएगा। वॉकथॉन में भाग लेने के लिए कोई विशेष पोशाक अनिवार्य नहीं है, प्रतिभागियों को आरामदायक परिधान और जूते/स्नीकर्स पहनकर आना होगा। कार्यक्रम में महिलाओं को गायनेकोलॉजी, इनफर्टिलिटी और कैंसर निवारण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। साथ ही नव स्थापित स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी और इनफर्टिलिटी सेंटर की सेवाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और निवारक चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जाएगा। डॉ. रचना दुबे ने सभी नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं से अनुरोध किया है कि वे इस वॉकथॉन में भाग लें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें। इच्छुक प्रतिभागी वॉकथॉन में भाग लेने के लिए पूर्व पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के लिए इच्छुक प्रतिभागी निम्नलिखित लिंक का प्रयोग कर सकते हैं-

शांतिपूर्ण एवं सद्भावपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाएं : अपर कलेक्टर

त्यौहारों के दौरान उपद्रव करने वालों के विरूद्ध होगी कठोर कार्यवाही : अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

शांति समिति की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। माह मार्च एवं अप्रैल में होने वाले त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए अपर कलेक्टर अंशुमन राज तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। अपर कलेक्टर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा शांति समिति के सदस्यों के माध्यम से जिलेवासियों से 14 मार्च को होली, 30 मार्च को झूलेलाल जयंती, 31 मार्च को ईद-उल-फित्तर, 06 अप्रैल को रामनवमी, 10 अप्रैल को महावीर जयंती तथा 14 अप्रैल को डॉ अम्बेडकर जयंती का त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सद्भावपूर्ण वातावरण में मनाए जाने की अपील की है। जिले में बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत छात्रों के हित में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की गई।

होलिका दहन एवं होली के त्यौहार को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए अपर कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति, यातायात, गोताखोर, साफसफाई तथा सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। अपर कलेक्टर ने कहा कि होलिका दहन के लिए स्थल का चयन करते समय फायर सेफ्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बिजली के तारों के नीचे एवं सड़कों पर होलिका दहन नहीं करें। आग लगने की संभावनाओं के दृष्टिगत आग बुझाने के भी समुचित प्रबंध रखें। जिले के सभी फायर ब्रिगेड को तैयार रखें। विद्युत विभाग के अधिकारियों को होलिका दहन के दिन कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अपर कलेक्टर ने होली के दिन उपद्रव करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मदिरा एवं अन्य नशीले पदार्थों के अवैध बिक्री पर कड़ाई से रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए अस्पताल परिसर में रंग कार्यक्रम को पूर्णतः प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गए हैं। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को संयुक्त दल बनाकर जिले के सभी दुकानों के मिठाई के सैंपल लेने के निर्देश दिए गए हैं। अपर कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि मिलावटी खाद्य सामग्रियों के बिक्री करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। दूषित खाद्य सामग्रियों के विनिष्टीकरण की प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होने आपातकालीन व्यवस्थाओं को किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैनात रहने के निर्देश दिए हैं।

त्यौहारों के दौरान पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि त्यौहारों के दौरान पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। पुलिस असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखेगी। यातायात की सुचारू व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। जिन स्थानों पर होलिका दहन हो रहा है वे सभी स्थान पुलिस की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि नवयुवक तेज रफ्तार में टोलियां बनाकर ओवर लोडिंग कर मोटर साईकिल चलाते है ऐसे में दुर्घटना का अंदेशा रहता है और खुशी का त्यौहार गम में बदल जाता है। पुलिस इस पर नियंत्रण करेगी। इसी प्रकार नशा करके वाहन चलाने वालों पर कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि सोशल मीडिया में भ्रामक खबरों को पोस्ट न करें इस पर पुलिस प्रशासन कड़ी निगरानी रख रही है। भ्रामक पोस्ट करने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

बैठक में झूलेलाल जयंती, ईद-उल-फित्तर, चैत्र नवरात्रि, रामनवमी, महावीर जयंती एवं डॉ अम्बेडकर जयंती के त्यौहार को गरिमामय ढंग से एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को साफसफाई, यातायात सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति, पेयजल आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा जिलेवासियों से होली के त्यौहार के दौरान हरे-भरे पेड़ पौधों को नहीं काटने, होलिका दहन कम से कम स्थानों पर करने तथा होली के त्यौहार में शुष्क एवं प्राकृतिक रंगों व गुलाल का उपयोग करने की अपील की गई। इसके साथ ही यह अपेक्षा की गई है कि समस्त निवासी अन्य केमिकल रंग व पेस्ट आदि का प्रयोग न करें एवं किसी पर जबरदस्ती रंग, गुलाल न डालें। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित सभी सदस्यों ने जिले के समस्त निवासियों को आगामी त्यौहारों की अग्रिम शुभकामनाएँ दी है।

बैठक में पार्षद आनन्द परियानी, रजनीश श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी, उदय कमल मिश्रा, डॉ रंजना मिश्रा, पूनम तिवारी, भक्तराम नामदेव, रनशेर अलीखान सहित शांति समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

खड़े ट्रक में पिकअप ने मारी टक्कर

रायपुर से रीवा जा रही पिकअप का अगला हिस्सा ट्रक में घुसा, ड्राइवर गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के ब्यौहारी के बसही गांव के पास सड़क पर खड़े एक खराब ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप ड्राइवर और कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना मंगलवार सुबह की है। रायपुर से रीवा जा रही खीरा लदी पिकअप सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस भिड़ंत में पिकअप का अगला हिस्सा ट्रक में घुस गया। दोनों घायल वाहन में फंस गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला।

पिकअप ड्राइवर की हालत गंभीर: थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि घटनास्थल पर 108 एम्बुलेंस को बुलाया गया। घायलों को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। ड्राइवर की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि ट्रक खराब होने के बावजूद चालक ने आगे-पीछे कोई सांकेतिक निशान नहीं लगाया था। पुलिस ट्रक के मालिक और ड्राइवर का पता लगा रही है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शादी समारोह से चोरी हुई बाइक बरामद

आरोपी जंगल में छिपाकर रात में करता था इस्तेमाल, गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। खैरहा थाना क्षेत्र के चौराडीह गांव में मंगलवार को एक वैवाहिक कार्यक्रम से चोरी हुई बाइक को पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में मंगलवार को एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। घटना 24 जनवरी की है।

दरअसल, दुर्गा प्रसाद लोधी के परिवार में आयोजित शादी समारोह में एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल से पहुंचा था। उसने बाइक को पंडाल के बाहर खड़ा किया था। जब वह कार्यक्रम से लौटा तो बाइक गायब थी। पीड़ित ने उसी रात थाने में शिकायत दर्ज करवाई।

पुलिस ने जांच के दौरान थाना क्षेत्र के निगरानीशुदा बदमाश अनिल उर्फ बंटी ढीमर को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बाइक चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बाइक को जंगल में छिपा रखा था। वह रात के समय इस बाइक से घूमता था।

थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि आरोपी पहले भी बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। आरोपी को डर था कि घर में बाइक रखने से पुलिस पकड़ लेगी, इस वजह से उसने जंगल में छिपाई। इस कार्रवाई में आरक्षक सतीश चौरसिया, मॉरिस और अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 143 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

सीधी। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आए 143 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि जिन आवेदन पत्रों में समय सीमा निर्धारित किया जाता है उसको तत्काल विभाग प्रमुख अपने संज्ञान में लेकर निराकरण कर संबंधित हितग्राही को सूचित करे। अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

बिना रोक-टोक बालू रेत का अवैध खनन व परिवहन, निरंकुश रेत माफिया, जिम्मेदारों ने दे रखी है खुली छूट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के अतरैला थाना क्षेत्र अंतर्गत इस वक़्त पूरे थाना क्षेत्र में खनिज माफियाओ, परिवहन माफियाओ,नशा कारोबारियों एवं दबंगो का बोलबाला है जिस गांव में देखो नशा का कारोबार बहुत ही तेजी से फलफूल रहा है खुलेआम भड़रा टमस नदी घाट से चांदी घाट तक अवैध बालू निकाला एवं परिवहन किया जा रहा है। चाहे टमस नदी घाट का बालू हो या पहाड़ों से पत्थर,गिट्टी निकालना हो, सेमरिया क्षेत्र के क्रेसर से गिट्टी लाना हो किसी का लायल्टी नही होती है इसके बावजूद भी धड़ल्ले से परिवहन हो रहा है जिस पर कोई रोकटोक नही है।

सवाल यही की ये सब किसके संरक्षण से रात्रि दिन फर्राटे मारते ट्रैक्टर हाइवा निकलते रहते है। जो सब प्रशासन की नाक के नीचे हो रहे अवैध उत्खनन, परिवहन और नशा का कारोबार पर रोक नहीं लग रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सभी घाटो,सभी ट्रैक्टर व हाइवा वालो का थानों से मंथली बंधा होता है जिसके लिए एक थाना प्रभारी का हमराह होता है जो सभी अवैध परिवहन,उत्खनन करने वालो से बसूली करता है बताया ये भी जाता है यदि किसी ने 5 दिन लेट चढ़ोत्तरी करने में कर देता है तो ट्रैक्टर या हाइवा थाने में खड़े हो जाते है।

प्रत्येक थानों में हो रहा खेल: जिनके कारनामो का कई बार खबर के माध्यम से प्रकाशन भी किया जा चुका है इसके बावजूद भी जिला कलेक्टर तथा रीवा एसपी के द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। बता दे कि पूर्व में कोनी ग्राम पंचायत सहित कई गांवों में अवैध बालू के उत्खनन से हादसे हो चुके है फिर भी प्रशासन सचेत नही हो रहा है।

क्या बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा प्रशासन: अभी हाल ही में 18 फरवरी को रीवा शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनकुईया स्थित दादर मोड़ ग्राम मरहा में मिट्टी और पत्थर के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के चलते ट्रक के ठोकर से एक ही परिवार के चार युवकों की जान चली गई और एक बुरी तरह से घायल हो गया है इसके बाद भी प्रशासन अतरैला थाना क्षेत्र में किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा है।

अब देखना यही होगा कि नशा के विरूद्ध एवं अवैध उत्खनन,अवैध परिवहन पर कार्यवाही होगी या यूं ही अतरैला पुलिस के संरक्षण में नशा का कारोबार व अवैध बालू का उत्खनन एवं परिवहन जारी रहेगा।

40 साल से रह रहे आदिवासी बेघर

वन विभाग ने गिराईं 57 परिवारों की झोपड़ियां, कलेक्टर से मिलकर मांगा न्याय

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के रामपुर नैकिन के अगडाल गांव में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने 57 आदिवासी परिवारों की झोपडियां गिरा दी हैं। इन परिवारों को पिछले चार महीने से खुले आसमान के नीचे रहना पड़ रहा है। प्रभावित परिवारों में से एक रमेश कोल ने बताया कि वे करीब 40 वर्षों से इस जगह पर रह रहे थे।

वन विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना के उनकी झोपड़ियां गिरा दीं। विभाग का कहना है कि यह जमीन उनकी है। पीड़ित परिवारों ने तहसीलदार और एसडीएम मिलकर न्याय की गुहार लगा चुके हैं। कोई सुनवाई नहीं होने पर आज को सभी जिला पंचायत पहुंचे। उन्होंने अपर कलेक्टर अंशुमन राज को आवेदन दिया। परिवारों ने रहने के लिए जमीन की मांग की।

अपर कलेक्टर ने मामले में तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को मौके पर भेजा जाएगा। सरकारी योजना के तहत सभी को जमीन और पक्के मकान की सुविधा दी जाएगी। जिन आदिवासी परिवारों के पास जमीन नहीं है, उनके लिए जल्द उचित व्यवस्था की जाएगी। यह घटना गरीब और आदिवासी समुदायों के भूमि अधिकारों पर सवाल खड़े करती है। साथ ही उनके पुनर्वास को लेकर प्रशासन की जिम्मेदारी भी तय करती है।

राष्ट्रीय कैंसर पैलेटिव केयर कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सीधी के निर्देशन में मंगलवार को राष्ट्रीय कैंसर पैलेटिव केयर कार्यक्रम के अंतर्गत मेडिकल ऑफिसर एवं नर्सिंग ऑफिसर का एक दिवसीय प्रशिक्षण एनएचएम सभागार सीधी में आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबीता खरे, जिला कैंसर नोडल अधिकारी डॉ आरके वर्मा, डॉ विनय खरे, डॉ आशीष भारती, जिला कार्यक्रम प्रबंधक पुष्पेंद्र शुक्ला, जिला कम्युनिटी मोबाइलजर नरेंद्र पटेल, रश्मि सोनी सहित समस्त विकासखंड से चिकित्सा एवं स्टाफनर्स उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर रोगियों की देखभाल और पैलेटिव केयर के बारे में चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग स्टाफ को प्रशिक्षित करना बताया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने पदभार ग्रहण किया

सीधी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने पदभार ग्रहण किया। सचिव के पदभार ग्रहण करने पर सुखेन्द्र द्विवेदी जी.पी., सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी जिला सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में साइबर सुरक्षा पर हुआ व्याख्यान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय मड़वास में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तहत "राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस" के अवसर पर ' सायबर सुरक्षा ' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर के की गई । कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में एएसआई थाना मड़वास राजकुमार सिंह परिहार उपस्थित रहे। इस अवसर पर इन्होंने डिजिटल अरेस्ट पर अपनी बात रखी। सह वक्ता के रूप में एएसआई संतोष साकेत थाना मड़वास उपस्थित रहे। उन्होंने सायबर अपराध से बचने के उपाय बताए। कार्यक्रम में योगेश कुमार शुक्ला विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सायबर अपराध से बचने का एकमात्र माध्यम है।

कार्यक्रम में अध्यक्षता भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने की । कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन भारतीय ज्ञान परंपरा की सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में डॉ सौरभी गुप्ता, डॉ निशा सिंह, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ ज्योति रजक, डॉ कमलेश जायसवाल, डॉ अनुराग तिवारी, डॉ रामधारी जायसवाल, डॉ सुरेंद्र गुप्ता, डॉ पंकज मिश्रा, प्रो.प्रवीण कुमार, प्रो.बाबा हरिनन्द, डॉ संध्या वर्मा, डॉ अमिता खरे, सुंदर लाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर प्रधानमंत्री कालेज आफएक्सीलेंस में कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में दिनांक 04 मार्च 2025, दिन मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी डॉ रामनारायण स्वर्णकार ने धार्मिक कथाओं से द्रष्टान्त लेकर सुरक्षा को सरल शब्दों में विद्यार्थियों को समझाया। कार्यक्रम संयोजक महाविद्यालय के एनसीसी आफिसर प्रो उमाकांत साहू ने महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ दिलीप कुमार सोनी सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र ने सामाजिक सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा पर आधारित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें रंजना सिंह एमए प्रथम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान, पूजा सिंह एमए प्रथम सेमेस्टर द्वितीय स्थान, प्रदीप सिंह बीएससी तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयूष मिश्रा बीएससी तृतीय वर्ष ने भाग लिया। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन डॉ राकेश कुमार प्रजापति सहायक प्राध्यापक भूगोल ने किया। निर्णायक की भूमिका में रहे शोसल मीडिया प्रभारी डॉ नागेन्द्र सिंह सहायक प्राध्यापक हिन्दी ने रिपोर्ट तैयार कर कार्यक्रम संपन्न होने की सूचना दी। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपने विचार व्यक्त किए।

कक्षा 12 वी के 9959 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। हायर सेकेण्डरी परीक्षा अंतर्गत04 मार्च को जिले के 64 परीक्षा केंद्रों में भौतिकी, अर्थशास्त्र, पशुपालन और विज्ञान के तत्व विषय की परीक्षा आयोजित हुई। 10098 दर्ज छात्रों में से 9959 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, 139 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नही हुये।

परीक्षा की सुचिता बनाये रखने के लिए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा पैनल दल गठित किया गया है। एसडीएम कुसमी प्रिया पाठक द्वारा परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा.वि.भदौरा एवं शा.उ.मा.वि.उत्कृष्ट कुसमी का निरीक्षण किया गया। प्रवीण शुक्ला एडीपीसी रमसा द्वारा परीक्षा केन्द्र ताला खाम्ह मांडल मझौली का निरीक्षण किया गया।

बरहाई में सतत प्राकृतिक संसाधन उपयोग एवं कटाई पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

सीधी। हरित भारत परियोजना के अंतर्गत इंस्टिट्यूट ऑफलाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग एवं मध्यप्रदेश आजीविका मिशन के सहयोग से ग्राम पंचायत बरहाई में उत्पादक समूहों के लिए भू-दृश्य पुनर्स्थापन हेतु सतत प्राकृतिक संसाधन उपयोग एवं कटाई पर एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

मरीजों को फल वितरण कर मनाई गई पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की पुण्यतिथि

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। सर्वहारा वर्ग के नेता पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की पुण्यतिथि सिरमौर विधानसभा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा में सेवा कार्य एवं मरीजों के बीच फल एवं औषधि वितरण कर करके मनाई गई। इस कार्यक्रम के आयोजक - सिरमौर विधानसभा के संघर्षशील नेता- मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री चक्रधर सिंह जवा ने कहा की अर्जुन सिंह ऐसे मुख्यमंत्री थे जो जरूरत मंदों को कागज के टुकड़े पर नियम को सिथिल करके नोकरी दी है। तेंदू पत्ता, एक बती कनेक्शन, शिक्षा,स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उनके चित्र पर सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व कृतत्व पर प्रकाश डाले। सरपंच सितलहा युवा नेता अमित सिंह के सौजन्य से डा. ज्ञानेंद्र त्रिपाठी बीएमओ, डॉ. अग्निवेश के साथ सब लोगों ने मरीजों को फल एवं औषधि वाटे। कार्यक्रम का सफल संचालन पी टी आई वालेन्द मिश्रा ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सच्चिदानंद पन्डे, जिला अल्पसंख्यक महामंत्री जियामुद्दीन खान, प्रभात साहू यूबा कांग्रेस आई टी सेल जिला समन्यवक, संजीव तिवारी, आशुतोष तिवारी, बालेन्द सिंह, बलराम कोल, पंकज दुबे सितलहा, अजलुद्दीन, छूटनी खान, मुन्नीलाल, शिवम गुप्ता, नंदकुमार पांडे, अमरनाथ आदिवासी, अखिलेश पांडे, शिव कुमारी कोल महिला ब्लॉक अध्यक्ष राजदुलारी विश्वकर्मा, बिहारी माझी, कृष्लाल दुबे शुभम मिश्रा, सुमन्नी सिंह, भुआली माझी, रवि शंकर तिवारी, अनु कहार, दिलीपसाहू, रत्नेश सिंह,कमलभान सिंह, मुन्नू सिंह, साहू, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दिखाई लोक अदालत के प्रचार रथ को हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर सीधी एवं तहसील मुख्यालय चुरहट, मझौली तथा रामपुर नैकिन में 08 मार्च को वर्ष 2025 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्रधान जिला न्यायाधीश ने नेशनल लोक अदालत के समुचित प्रचार-प्रसार हेतु 04 मार्च को प्रचार रथ को जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ तथा पंप्लेट्स वितरण के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार किया जावेगा।

उक्त कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू, चतुर्थ जिला एवं सत्र न्यायाधीश गौतम कुमार गुजरे, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश उर्मिला यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मण डोडवे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अभिषक साहू, जिला विधिक सहायता अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला, रामबहोर पटेल विद्युत विभाग, नगर पालिका के कर्मचारीगण सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने 08 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की जानकारी देते हुए कहा कि समस्त प्रकार के राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया जा रहा है जिससे प्रकरण पूरी तरह समाप्त हो जाता है और सभी पक्षकारों की जीत होती है। नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण सर्वोत्तम तरीका है जिससे समय एवं धन की क्षति रूकती है और मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी ने मध्यस्थता प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रक्रिया के अंतर्गत न्यायालय के बाहर आपसी समझौता होता है जिसे वापस न्यायालय में प्रेषित किया जाता है, तद्नुसार न्यायालय द्वारा समझौते का निर्णय दिया जाता है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा।

सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने अपील की है कि 08 मार्च को न्यायालय में उपस्थित होकर अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण कराये तथा विवाद विहीन समाज की संकल्पना में न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करे।

विचार

मोदी की मुहिम से घटेगी बीमारी!

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, इसकी बानगी हाल ही में आकाशवाणी पर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में देखने को मिली। आंकड़ों पर गौर करें तो विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जबकि भारत में हर आठवां व्यक्ति मोटापे का शिकार है। यह समस्या केवल बड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि अब बच्चों को भी अपने आगोश में ले रही है, और हाल के वर्षों में तो यह समस्या चार गुना तक बढ़ गई है। इसके कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह किया और इससे बचने की सलाह दी। साथ ही, देशवासियों से खाने में तेल की खपत को 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह किया। इस मुहिम के लिए दस नामी-गिरामी हस्तियों को अभियान से जोड़ा गया, जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारंभिक व्यक्ति के तौर पर होंगे। इनमें उमर अब्दुल्ला, आनंद महिंद्रा, मनु भाकर, आर. माधवन, नंदन नीलेकणी, श्रेया घोषाल, निरहुआ, सुधा मूर्ति और मीरा बाई जैसी हस्तियां शामिल हैं।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मोटापा एक महामारी बन चुका है, जो हर साल 28 लाख वयस्कों की जान ले रहा है। भारत में करीब 10 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जिनमें 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं बेली फैट से परेशान हैं। आंकड़ों के अनुसार, स्थिति वाकई डराने वाली है। 'द लांसेट' पत्रिका के अनुसार, भारत में 5 से 19 वर्ष के करीब 1.25 करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार हैं, जबकि 1990 में यह संख्या मात्र 4 लाख थी। वयस्कों की स्थिति भी कम भयावह नहीं है। 2022 में 4.4 करोड़ महिलाएं और 2.6 करोड़ पुरुष मोटापे से ग्रस्त थे। ऐसे में यह विकास है या विनाश, यह तय करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के आंकड़े बताते हैं कि मोटापे से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। 2019 में जहां यह 2.4 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2030 तक यह 6.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह दर्शाता है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है।

भारत विकासशील देश से विकसित बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है, लेकिन इसी रफ्तार में हमारा शरीर भी तेजी से फैलता जा रहा है। एक समय था जब 'तोंद' को समृद्धि का प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब डॉक्टर इसे बीमारी का घर बताते हैं।

बसपा की दुर्गति के लिए जिमेदार कौन?

उारप्रदेश की पूर्व मुयमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की नेत्री सुश्री मायावती भले ही दलित की बेटी हैं, लेकिन जब दलित राजनीति के रथ पर सवार होकर वह सूबाई साा और पार्टी दोनों के शीर्ष तक पहुंचीं तो दौलत पसंद बन गईं। उन्होंने अपनी सारी नीतियों को दौलत बटोरने के ही इर्दगिर्द केंद्रित कर दिया। जिससे दृढ़ स्वभाव की इस महिला नेत्री ने न केवल अकूत धन बटोरीं, बल्कि अपनी पार्टी को भी खूब आगे बढ़ाया। इस क्रम में उन्होंने जायज-नाजायज का याल तक नहीं रखा। योंकि दलित समर्थक एक कानून हमेशा उन जैसों की कानूनी ढाल बन जाता है।

हालंकि, वक्त का पाशा पलटते ही अब वही दौलत उन जैसी अविवाहित महिला के गले की फांस बन चुका है। कहना न होगा कि जिस बामसेफ ने देश की दलित राजनीति को एक मजबूत प्रशासनिक आधार दिया, उसकी भी मायावती काल में इसलिए एक न चली, क्योंकि परिवार और पार्टी से आगे की सोच-समझ उनमें विकसित ही न हो पाई। दरअसल, बसपा के संस्थापक मान्यवर कांशीराम के मेहनत से फली-फूली धुर ब्राह्मण विरोधी दलित पार्टी बसपा पर मायावती ने उनके जीते जी ही अपना कब्जा जमा लिया और अपने सहोदर भाई आनंद की मदद से निरंतर मजबूत होती चली गईं, लेकिन जब से उन्होंने सत्ता प्राप्ति की गरज से ब्राह्मणों के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर विकसित किया, तब से उन्हें अप्रत्याशित राजनीतिक सफलता तो खूब मिली, लेकिन उनका मूल कैडर इधर उधर छिटकने लगा।

इसके अलावा, जब से समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव से उनकी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भाजपा नेताओं की शह पर तेज हुई, तब से दलित समर्थक ओबीसी भी उनसे छिटकने लगे। वहीं, भाजपा के समर्थन से सत्ता की राजनीति जबसे उन्होंने शुरू की, तब से मुस्लिम वोटर भी बसपा से दूरी बनाने लगे। हालांकि, सत्ता संतुलन के लिए उन्होंने सवर्णों, ओबीसी और अल्पसंख्यक नेताओं को मलाईदार पद दिए, जिससे दलित भी उनसे ईर्ष्या करने लगे। इन सब कारणों से बसपा का जनाधार छीजता चला गया।

वहीं, कभी भाजपा, कभी समाजवादी पार्टी, कभी कांग्रेस और कभी अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन की राजनीति करके उन्होंने खुद को तो मजबूत बनाने की पहल की, लेकिन उनकी अड़ियल और हठी रवैये के चलते उनकी पटरी किसी से नहीं बैठी और अब राजनीतिक मजबूरी वश वह बिल्कुल अकेले बच गई हैं। सवाल है कि तीन बार भाजपा या सपा के सहयोग से और एक बार अपने दम पर हासिल बहुमत से यूपी की मुख्यमंत्री बनने वाली मायावती, केंद्रीय राजनीति में अपने अच्छे-खासे सांसदों के बल पर दबदबा रखने वाली मायावती आखिर इस सियासी दुर्दिन को कैसे प्राप्त हुईं। तो जवाब यही होगा कि एक ओर उनका पारिवारिक प्रेम और दूसरी ओर भावनात्मक रूप से जुड़े नेताओं-कार्यकर्ताओं की मौद्रिक कारणों से उपेक्षा। हालांकि, जब तक वह इस बात को समझ पाई, तबतक बहुत देर हो चुकी है। आज उनके सांसदों और विधायकों की संख्या न के बराबर है। ऐसे में उनके घर में और पार्टी में जो पारिवारिक कोहराम मचा हुआ है, वह कोई नई बात नहीं है। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। हालांकि, यह भी कड़वा सच है कि अपनी जिस जिद्दी स्वभाव के चलते वह सियासत में खूब आगे बढ़ीं, अब उसी जिद्दी स्वभाव के चलते उनकी पार्टी और परिवार दोनों बिखराव के कगार पर है। वहीं, 70 वर्षीय मायावती सूझबूझ से काम लेने के चक्कर में गलतियां पर गलतियां करती जा रही हैं। जिस तरह से वो अपने ही निर्णय को बार बार पलट देती हैं, उससे उनकी सियासी साख भी चौपट हो रही है। इससे सीएम-पीएम बनने का उनका ख्वाब तो चूर हो ही रहा है, लेकिन जोड़-तोड़ से राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति या राज्यपाल बनने या फिर केंद्रीय मंत्री बनने की बची खुची संभावनाएं भी समाप्त होती जा रही हैं। चूंकि देश की दलित राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि ओबीसी नेताओं की तरह ही दलित नेता भी एक दूसरे राज्यों के बड़े दलित नेताओं से स्वभाविक समझदारी विकसित नहीं कर पाए और खुद को कमजोर करते चले गए। यूपी में तो मायावती ने दलितों को कद्दावर मुख्यमंत्री दिया, लेकिन बिहार आजतक उससे वंचित है। शायद इसलिए कि भाजपा-कांग्रेस ने अपनी सियासी हितों के लिए इन्हें भी आपस में लड़ाया और अपने इरादे में कामयाब रहे। हाल ही में मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को हटाते हुए उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ पर जो निशाना साधा निशाना है, इससे उन्हें लाभ के बजाय और अधिक हानि हो सकती है, क्योंकि ये पार्टी के मजबूत स्तंभ रहे हैं और उनकी हर कमजोरी से वाकिफ हैं। यदि ये विभीषण बन गए तो उनका क्या होगा, सोच-समझ लें तो उचित रहेगा। दरअसल, मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है लेकिन इसके लिए उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को ज़िम्मेदार ठहराया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी अहम पदों से हटा दिया और कहा कि अहम फ़ैसले अब वह खुद लेंगी। उन्होंने यह भी कहा है कि जब तक वह ज़िंदा रहेंगी, तब तक उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। बीएसपी सुप्रीमो ने कहा कि उनके लिए पार्टी पहले है और बाकी रिश्ते-नाते बाद में। बता दें कि 2019 में मायावती ने आकाश को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था और अपने छोटे भाई यानी आकाश के पिता आनंद कुमार को बीएसपी का उपाध्यक्ष बनाया था।

इसके बाद से ही मायावती पर भाई-भतीजावाद के आरोप लग रहे थे। ऐसे आरोप पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह लग रहे थे। कई लोग यह भी कहते हैं कि पार्टी के पुराने नेता आकाश आनंद को लेकर बहुत सहज नहीं थे। ऐसे में दिलचस्प है कि अब आकाश आनंद की जगह उनके पिता आनंद कुमार और साथ में रामजी गौतम को राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है। साथ ही अपने भतीजे को सभी अहम पदों से हटाने के फ़ैसले को सही ठहराते हुए मायावती ने बीएसपी के संस्थापक कांशीराम का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि कांशीराम पार्टी में परिवार और रिश्तेदारों के काम करने के ख़िलाफ़ नहीं थे लेकिन उन्हें बाक़ी कार्यकर्ताओं से ज़्यादा विशेषाधिकार मिले, इसके ख़िलाफ़ थे।

ऐसे में सवाल है कि मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को बीएसपी से क्यों निकाला था? क्या पारिवारिक कलह से जूझ रही हैं पार्टी सुप्रीमो? ऐसे में मायावती के भतीजे आकाश आनंद क्या उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी बन पाएँगे? क्योंकि मायावती के पुराने तेवरों की वापसी से मिलते नए संकेत से पता चलता है कि इसका भावी असर क्या होगा? ये तो वही जानें।दरअसल, लखनऊ में रविवार को बीएसपी की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि कांशीराम के पदचिह्नों पर चलते हुए ही आकाश आनंद को सभी पदों से हटा दिया गया है और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाल दिया गया है। अशोक सिद्धार्थ ने पार्टी को पूरे देश में दो गुटों में बाँटकर कमज़ोर किया है। बीएसपी ने कहा है कि अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकालने के बाद यह देखना होगा कि उनकी लड़की यानी आकाश आनंद की पत्नी प्रज्ञा पर इसका क्या असर पड़ता है और यह भी देखना होगा कि पत्नी का प्रभाव आकाश पर कितना पड़ता है। बीएसपी का कहना है कि इस आकलन पहले कुछ भी सकारात्मक नहीं लग रहा है। पार्टी का कहना है कि आकाश आनंद के ख़िलाफ़ जो कार्रवाई की गई, उसकी ज़िम्मेदारी उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की बनती है। क्योंकि अशोक सिद्धार्थ के कारण ही पार्टी का तो नुक़सान हुआ ही है, आकाश आनंद का राजनीतिक करियर भी ख़राब हो गया है।

मायावती ने यह भी कहा है कि अशोक सिद्धार्थ से मिले सबक के बाद आनंद कुमार ने अब अपने बच्चों का रिश्ता ग़ैर-राजनीतिक परिवार में जोड़ने का फ़ैसला किया है, ताकि बीएसपी के आंदोलन पर नकारात्मक असर ना पड़े।

क्या हिंदी भाषी राज्यों को बोलियों के आधार पर बांटने की कोशिश की जा रही है?

भारत एक विशाल देश है जहां विभिन्न जाति, धर्म, समुदाय, भाषा और बोलियां आज भी प्रचलन में हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत में 19,500 से अधिक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती रही हैं (2011 की जनगणना के अनुसार)। इनमें से लगभग 121 भाषाएँ ऐसी हैं जिन्हें 10,000 से अधिक लोग बोलते हैं जबकि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में केवल 22 भाषाएँ मान्यता प्राप्त हैं। यूनेस्को की

卐एटलस आफ दी वर्ड लेग्यूजेज इन डेंजर卐 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 197 भाषाएँ विलुप्तप्राय हैं। इनमें से पिछले कुछ दशकों में विलुप्त हुई भारतीय बोलियों/भाषाओं में प्रमुख रूप से नाम आता है अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अका-कोरा, अका-बो(2010 में अंतिम ज्ञात व्यक्ति का निधन), अका-जेरी, अका-बेया का; उत्तर प्रदेश की मोरी का ;उत्तर भारत की सारास्वती की, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की

रंगबोल का; झारखंड और पश्चिम बंगाल के आदिवासी समूह में बोली जाने वाली माल्टो;पश्चिम बंगाल के टोटो समुदाय द्वारा बोली जाने वाली टोटो का ;अरुणाचल प्रदेश में बोली जाने वाली कुछ मोनपा उपबोलियां का।जबकि हिमाचल प्रदेश में प्रचलित कुमार भाषा,कर्नाटक में बोली जाने वाली तोड़ो, कोडागु , तमिलनाडु की टोडा, झारखंड की माल्तो अरुणाचल प्रदेश में बोली जाने वाली सिअंग भाषा आदि विलुप्तीकरण की कगार पर हैं।

कुछ व्यक्तियों द्वारा समय समय पर हिंदी के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए तथा अंग्रेजी के प्रभाव को बनाए रखने के लिए कुछ भाषाओं और बोलियों के कम उपयोग में आने के कारणों में हिन्दी को जिम्मेदार ठहरा कर राष्ट्र भाषा बनने से रोकने की कोशिश समय समय पर की जाती रही है । वस्तुत: किसी भाषा या बोली का विलुप्त होना एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें कई कारक शामिल होते हैं।

जैसे शिक्षा और रोजगार के लिए मुख्य भाषाओं की ओर झुकाव,गाँवों से शहरों की ओर तथा भारत से विदेशों की ओर पलायन,युवा पीढ़ी का अपनी पारंपरिक बोलियों को बोलने में रुचि नहीं लेना, टेलीविजन, इंटरनेट, और सोशल मीडिया का मुख्यधारा की भाषाओं को बढ़ावा देना तथा बोलियों पर ध्यान न देना, छोटे समूह की बोलियों को पिछड़ापन का प्रतीक समझना।कई बार संस्कृतिकरण और भाषाई मिश्रण के कारण भी एक भाषा या बोली दूसरी भाषा में घुलमिल जाती है और अपनी मौलिक पहचान खो देती है। वहीं कई बोलियों को जानने वाले, प्रयोग में लाने वालों की आबादी बहुत ही कम होती और बहुत ही संकुचित और दुर्गम क्षेत्र में फैली रहती है (कुछ आदिवासी समुदाय आदि),इनकी आबादी के घटने से, समाप्त होने से भी बोलियां समाप्त हो जाती है।आजकल देश में अंतरजातीय के साथ अंतर-भाषायी विवाह ज्यादा होने लगे हैं जहां एक कॉमन भाषा (जैसे हिंदी या अंग्रेज़ी) को आपसी वार्तालाप का माध्यम बनाने के प्रयास में बोलियां चलन से बाहर हो रही हैं। भाषाविदों का यहां तक मानना है कि भाषा सामान्यत: विलुप्त नहीं होती है क्योंकि इनकी अपनी लिपि होती है, समृद्ध व्याकरण होता है और अपना लिखित साहित्य होता है जबकि बोलियों में इन तीनों का अभाव होता है, इसलिए विलुप्त होने की संभावना भी सबसे ज्यादा।

ऐसे में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि उत्तर प्रदेश और बिहार कभी हिन्दी हार्ट लैण्ड नहीं थे,हिंदी ने क्षेत्रिय भाषाओं को निगल लिया तथा हिन्दी के चलते कई क्षेत्रीय भाषाएं अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं तथा एक अखंड हिंदी की पहचान की कोशिश ही प्राचीन भारतीय भाषाओं को खत्म कर रही है जैसे भोजपुरी,मैथली, अवधी,ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली,कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी,मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका,हो, खड़िया, खोरठा, कुरमाली,कुरुख, मुंडारी आदि। क्या इस तरह का बयान निकट भविष्य में बिहार और उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा के चुनाव को ध्यान में रख कर दिया गया है?या गैर हिंदी भाषी लोगों के वोट को आकर्षित करने की कोशिश है। क्या इस तरह के बयान समाज को बोलियों के आधार पर बांटने का काम नहीं करते? जबकि पहले से ही हमारा देश विविध जाति, धर्म, संप्रदाय और क्षेत्रीय भाषाओं में बटा हुआ है। क्या इस तरह के बयान राष्ट्र भाषा हिंदी का सोची समझी राजनीति के तहत किया गया अपमान नहीं है? यहां एक प्रश्न यह भी खड़ा होता है कि दक्षिण की कुछ बोलियां जो अंतिम सांसें ले रही है उसके लिए भी क्या हिंदी जिम्मेदार है? जबकि वहां हिंदी का उपयोग तो स्थानीय लोगों द्वारा न के बराबर किया जाता है।

भारतीय भाषाओं के बोलने वालों को विभाजित करने,आपस में लड़ाने की पहली बार कोशिश हो रही है ऐसा नहीं है पहले भी अंग्रेजों के प्रशासन में(1757 में प्लासी की लड़ाई से 1947 में स्वतंत्रता तक) अंग्रेजी को बढ़ावा देने के लिए के लिए तथा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को हांसिए पर लाने के, उनके प्रभाव को कम करने के लिए दमनकारी नीतियां अपनाई गई। %मैकाले मिनट%(1835) के तहत अंग्रेजी को सरकारी कामकाज और शिक्षा की भाषा बना दिया गया, उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों में अंग्रेजी को अनिवार्य कर दिया गया, आदालतों के काम काज में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई, अंग्रेजी जानने वालों को उच्च पदों पर बैठाया गया। इतना ही नहीं हिंदी बोलने वालों को कमतर समझा गया,हेय दृष्टि से देखा जाने लगा। इसे हिन्दी की स्वीकार्यता ही कहेंगे कि अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के बाबजूद न सिर्फ हिंदी आपना अस्तित्व बनाए रखने में सफल रही अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में आंदोलनकारियों को एकजुटता रखने की भाषा बनी। एक बार पुन: विदेशी भाषा (अंग्रेजी) के मोह में अपने देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तथा राजभाषा का सम्मान प्राप्त हिंदी को उसकी अपनी बोलियां के विरुद्ध खड़ा करने का षडयंत्र रचा जा रहा है, बोलियों के जानने वालों की घटती संख्या के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

यहां यह समझना आवश्यक है कि भारत ही नहीं पूरा विश्व अपने यहां की कई बोलियों के विलुप्त होने से या जानने वालों की घटती संख्या से परेशान हैं। एक अनुमान के अनुसार मानव इतिहास के प्रारंभ से आज तक लगभग 30,000 भाषाएं विलुप्त हो चुकी है। दुनिया में आज 7000 जीवित भाषाएं है जिनमें से 3000 लुप्त प्राय: है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार 780 भाषाएं बोलियां हैं जिनमें से 400 भाषाओं को आगामी 50 सालों में विलुप्त होने का खतरा है।भारत में ही पिछले 50 वर्षों में 250 भाषाएं जिन्हें हम बोलियां भी कह सकते हैं, विलुप्त हो गई हैं। इस सदी के प्रारंभ में ही अंडमान की अका-जेरु (2009) , अका-बो (2010) , अका-कारी (2020) बोलियां विलुप्त हो गई है। इतना ही नहीं भारत की 19569 मातृ भाषाओं में से आज केवल 121 बोलियां ही बची हैं, जो आज संकटापन्न नहीं है(हम संकटापन्न उन भाषाओं को कहते हैं जिनके बोलने वालों की संख्या 10000 से कम हो गई है) ।भारत के लगभग सभी शिक्षाविदों का यह मानना है कि भारत की भाषाई विविधता अद्वितीय है, और इसे संरक्षित करना हमारी सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के लिए आवश्यक है। सभी भाषाओं और बोलियों के महत्व को समझते हुए केन्द्र और राज्य सरकारें हमेशा से ही विलुप्तीकरण की कगार पर खड़ी बोलियों/भाषाओं के संरक्षण के प्रयास में लगी हुई है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का भी यही उद्देश्य है। इसलिए उसमें क्षेत्रीय भाषाओं को स्कूली शिक्षा में शामिल करने पर जोर है, विश्वविद्यालय और शोध संस्थानों द्वारा दुर्लभ भाषाओं का डॉक्यूमेंटेशन करने का प्रयास है,ऑनलाइन और डिजिटल माध्यमों में इन भाषाओं को प्रमोट करने पर काम हो रहा है।इन सबसे महत्वपूर्ण है स्थानीय समुदाय अपनी भाषा/बोली में गर्व महसूस करें, अपने बच्चों से अपनी बोली/भाषा में बात करें। ऐसा करके न सिर्फ हम अपनी हिन्दी, क्षेत्रीय भाषाओं, स्थानीय बोलियों को सम्मान दे सकते हैं अपितु संरक्षित करने में भी सहयोग दे सकते हैं।बोलियों के संरक्षण के लिए - स्कूलों में स्थानीय बोलियों को पढ़ाने की व्यवस्था हो, स्थानीय बोलियों को पंचायत, तहसील स्तर पर गीत-संगीत, नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बढ़ावा दिया जाए, स्थानीय फिल्मों के संवाद में इन्हें स्थान मिले।

लेखक: डा मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

1500 में साइकिल बेचने पर मर्डर, जंगल में जलाई लाश

2 भाइयों ने युवक की पीट-पीटकर ली जान, हड्डियों के अवशेष बरामद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में 2 भाइयों ने मिलकर रस्सी से एक युवक के हाथ-पैर बांधे, फिर डंडे से पीट-पीटकर उसे मार डाला। सबूत मिटाने के लिए साजिश रची। शव को जंगल में ले जाकर कंडे और लकड़ी से जला दिया। मामला कोटा थाना के बेलगहना चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम मिलाप सिंह भैना (26) है, जो ग्राम जोबापारा सेमरी का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि 1500 रुपए में साइकिल को बेचने से गुस्साए आरोपियों ने युवक की हत्या की है।

अब जानिए कैसे हुआ मर्डर का खुलासा: दरअसल, मिलाप सिंह भैना 22 फरवरी से लापता था। उसकी मां बालकुंवर भैना लगातार तलाश कर रही थी, लेकिन कहीं नहीं मिल रहा था। इसके बाद 28 फरवरी को बेलगहना चौकी पहुंची। उसने चौकी में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने तलाश शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने परिजन सहित अन्य लोगों से पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ में युवक की मां बालकुंवर ने पुलिस को बताया कि आखिरी बार मिलाप को गांव का सतबीर यादव घर से बुलाकर अपने साथ ले गया था, जिसके बाद उसका कुछ पता नहीं चल रहा है।

दोनों भाइयों ने गोल-मोल जवाब देकर पुलिस को गुमराह किया: इसके बाद चौकी प्रभारी एसआई भावेश शेंडे ने इसकी सूचना एसपी रजनेश सिंह और एएसपी अर्चना झा को दी। एसपी के निर्देश पर कोटा थाना प्रभारी और प्रशिक्षु आईपीएस सुमित कुमार टीम के साथ सेमरी गांव पहुंचे। उन्होंने सतबीर यादव (30) और उसके भाई देवनाथ यादव (25) को हिरासत में लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में पहले दोनों भाइयों ने गोल-मोल जवाब देकर पुलिस को गुमराह किया। सख्ती से पूछताछ पर दोनों भाइयों ने सच्चाई बताई। आरोपी सतबीर और देवनाथ यादव ने बताया कि मिलाप सिंह भैना 22 फरवरी को सतबीर की साइकिल को 2 घंटे के लिए मांग कर ले गया था, लेकिन साइकिल नहीं लौटाई।

साइकिल मांग कर 1500 में बेचा, इसलिए पीट-पीटकर मार डाला: 22 फरवरी की रात 10 बजे सतबीर उसे घर से बुलाकर अपने घर ले गया। घर पर देवनाथ के साथ मिलकर पूछताछ की। मिलाप ने साइकिल केंदा के केवल केंवट उर्फ पप्पू को 1500 में बेचने की जानकारी दी। गुस्साए भाइयों ने रस्सी से बांधकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। अजगर माड़ा जंगल में शव रो जला दिया।

एफएसएल की टीम और स्निफर डॉग विमला से भी घटनास्थल ग्राम सेमरी की जांच कराई गई। डॉग ने मौके पर मिले साक्ष्यों को सूंघकर दोनों आरोपियों की पहचान की। एफएसएल की टीम ने अजगर माड़ा के जंगल से राख, चप्पल और गमछे के टुकड़े बरामद किए।

मौके पर हड्डियों के मिले अवशेष: एडिशनल एसपी ग्रामीण अर्चना झा ने बताया कि आरोपी सतबीर यादव और देवनाथ यादव से वारदात में इस्तेमाल डंडा और साइकिल को जब्त किया गया है। हड्डियों के अवशेष मिले हैं, जिसे फोरेंसिक एक्सपर्ट की मौजूदगी में जब्त किया गया है। दोनों को आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

रेलकर्मी युवती से स्टेशन मास्टर ने किया रेप

बिलासपुर के होटल में मिलने बुलाया, फिर किया दुष्कर्म, अब नहीं कर रहा शादी, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रेलवे स्टेशन मास्टर युवती से नागपुर के स्टेशन मास्टर ने शादी का झांसा देकर रेप किया। आरोपी ने पहले दोस्ती की फिर उसे मिलने बुलाया। इसके बाद एक होटल में शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने जब शादी के लिए दबाव बनाया, तब रेलकर्मी ने शादी करने से इनकार कर दिया।

उसकी हरकतों से तंग आकर युवती ने पुलिस से शिकायत कर दी। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पूरा मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। पुलिस आरोपी को पकड़ने नागपुर गई थी, लेकिन वह फरार हो गया।

2 साल पहले हुई थी जान-पहचान: सिटी कोतवाली सीएसपी और आईपीएस अक्षय साबद्रा ने बताया कि 25 वर्षीय युवती रेलवे में स्टेशन मास्टर हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि अनमोल घनश्याम वाकोडीकर (30) नागपुर में स्टेशन मास्टर है। करीब दो साल पहले उनकी जान-पहचान हुई, जिसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इस दौरान दोनों आपस में बातचीत करने लगे और उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई।

मिलने बुलाकर होटल में किया दुष्कर्म: युवती ने पुलिस को बताया कि बातचीत के दौरान रेलकर्मी अनमोल ने कहा कि वह उससे शादी करना चाहता है। करीब साल भर पहले आरोपी ने युवती को बिलासपुर मिलने के लिए बुलाया। वहीं, आरोपी रेलकर्मी नागपुर से बिलासपुर आया। यहां उसे सीएमडी चौक स्थित एक होटल में ले गया, जहां दोनों ठहरे। यहां स्टेशन मास्टर अनमोल ने शादी का वादा कर युवती से दुष्कर्म किया।

फिर रेलकर्मी ने शादी से किया इनकार: थोड़े समय बाद युवती ने जब ने रेलकर्मी को शादी करने के लिए कहा तो पहले वह टालमटोल करने लगा। युवती ने जब उस पर दबाव बनाना शुरू किया, तब आरोपी रेलकर्मी ने शादी करने से इनकार कर दिया। जिससे परेशान होकर युवती ने थाने जाकर अनमोल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी।

नागपुर से खाली हाथ लौटी टीम: पुलिस अफसरों ने आरोपी को पकड़ने के लिए शुक्रवार को तीन सदस्यीय टीम बनाकर नागपुर भेजा था। लेकिन, आरोपी स्टेशन मास्टर पुलिसकर्मियों को चकमा देकर वहां से भाग निकला। आरोपी की तलाश की जा रही है।

जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में अध्यक्ष पद पर जानकी बाई कुसरो की जीत, 7 मतों से मिली बढ़त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस चुनाव का संचालन लिंगराज सिदार, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ ने पीठासीन अधिकारी के रूप में किया, जबकि तहसीलदार यादवेन्द्र कैवर्त सहायक पीठासीन अधिकारी और जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह उपस्थित रहीं। निर्वाचन प्रक्रिया जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के अमृत सदन सभाकक्ष में सफलतापूर्वक पूरी हुई। यह चुनाव कलेक्टर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के आदेशानुसार एवं छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम, 1995 के तहत आयोजित किया गया। चुनाव प्रक्रिया पूर्वान्ह 11:00 बजे से शुरू हुई, जिसमें सबसे पहले निर्वाचित सदस्यों की उपस्थिति दर्ज की गई। कुल 17 सदस्यों में से 16 सदस्य उपस्थित रहे। इसके पश्चात अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हुई और 12:30 बजे तक संवीक्षा की प्रक्रिया पूरी कर विधिमान्य नामांकनों की घोषणा कर दी गई।

अध्यक्ष पद अनुसूचित जनजाति (महिला) वर्ग के लिए आरक्षित था। इस पद के लिए भारतीय जनता पार्टी की जानकी बाई कुसरो और कांग्रेस की सीता देवी आयाम के बीच सीधा मुकाबला हुआ। मतदान दोपहर 1:15 बजे से प्रारंभ होकर 2:00 बजे तक चला, जिसके बाद मतगणना की गई। परिणाम में जानकी बाई कुसरो को 11 मत मिले, जबकि सीता देवी आयाम को 4 मत प्राप्त हुए। 1 मत अमान्य घोषित हुआ और एक निर्वाचित सदस्य मतदान से अनुपस्थित रहा।

सिरगिट्टी में अवैध कब्जे पर निगम की कार्रवाई

शराब भट्ठी के पास 4 दुकानों के शेड हटाए, 15 को नोटिस, कांग्रेस नेता ने किया विरोध

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के सिरगिट्टी क्षेत्र में शराब भट्ठी के सामने बने अवैध शेड को नगर निगम ने हटा दिया। मंगलवार को कार्रवाई के दौरान कांग्रेस नेता सतनाम सिंह खनूजा ने इसका विरोध किया और अतिक्रमण निवारण दस्ते के प्रभारी के साथ विवाद की स्थिति बन गई।

जोन क्रमांक 2 तिफरा के जोन कमिश्नर प्रवेश कश्यप के मुताबिक, सिरगिट्टी रेलवे फाटक के आगे बस्ती की ओर जाने वाले रास्ते पर शराब भट्ठी के आसपास कई दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा था। यह अतिक्रमण आवागमन में बाधा बन रहा था।

निगम ने 17 दुकानदारों को नोटिस जारी किया। इनमें से दो दुकानदारों के अवैध शेड तत्काल हटा दिए गए। बाकी 15 दुकानदारों को स्वयं कब्जा हटाने की मोहलत दी गई है।

सड़क और नाली के ऊपर था कब्जा: स्थानीय लोगों की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शराब भट्ठी के आसपास अवैध चखना दुकानों से बस्तीवासियों को दिन-रात परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अतिक्रमणकारियों ने सड़क और नाली के ऊपर कब्जा कर रखा था।

आगे और कार्रवाई होगी: अतिक्रमण निवारण अमले के प्रभारी प्रमिश शर्मा ने बताया कि चार दुकानदारों के अवैध शेड बुलडोजर से हटाए गए हैं। बस्ती में आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। सभी अतिक्रमणकारी दुकानदारों की शटर पर नोटिस चिपका दिया गया है।

भरतपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष पद पर माया प्रताप सिंह एवं उपाध्यक्ष पद पर हीरालाल मौर्य हुए निर्वाचित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला के आदेशानुसार प्रवीण कुमार भगत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग भरतपुर ने आज समय पूर्वान्ह 12:00 बजे जनपद पंचायत भरतपुर के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचन हेतु नवनिर्वाचित जनपद सदस्यों की बैठक आहुत कर विशेष सम्मिलन की अध्यक्षता, पीठासीन अधिकारी के रूप में किये जाने हेतु सम्मिलन स्थल जनपद पंचायत भरतपुर के सभाकक्ष में उपस्थित रहे। इस सम्मिलन में जनपद पंचायत के कुल-18 निर्वाचित जनपद पंचायत सदस्यों में से 18 जनपद पंचायत सदस्य सम्मिलन में उपस्थित हुए तत्पश्चात् अनुविभागीय अधिकारी ने प्रवीण कुमार भगत द्वारा जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन कार्यक्रम को तैयार कर तथा सम्मिलन में घोषणा छत्तीसगढ पंचायत (उपसरपंच, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचन नियम 1995 के नियम 13 (3) के तहत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन का कार्यक्रम पृथक-पृथक तैयार किया, जिसे सम्मिलन में घोषित किया गया तथा एक प्रति सम्मिलन की सूचना पटल पर चस्पा कराकर प्रदर्षित किया गया। जिसमें जनपद पंचायत भरतपुर के अध्यक्ष पद हेतु अभ्यर्थी माया प्रताप सिंह/समरबहादुर, राजकली बैगा/ज्ञानप्रकाश बैगा, रविन्द कुमार बैगा/रामसाय बैगा, लालसाय बैगा/दशरू बैगा द्वारा नामनिर्देशन पत्र प्राप्त हुए एवं सभी नामनिर्देशन पत्र विधिमान्य पाये गये तत्पश्चात् मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। मतदान समप्ति के पश्चात् मतगणना प्रारंभ हुई जिसमें माया प्रताप सिंह/समरबहादुर,(कुल मत-7) श्रीमती राजकली बैगा/ज्ञानप्रकाष बैगा, ,(कुल मत-1) रविन्द कुमार बैगा/रामसाय बैगा, ,(कुल मत-4) लालसाय बैगा/ दशरू ,(कुल मत-6) प्राप्त हुए जिसमें माया प्रताप सिंह को सर्वाधिक मत प्राप्त हुआ और सम्यक रूप अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किये गये। इसी प्रकार जनपद पंचायत भरतपुर के उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन हेतु तीन(1, हीरालाल मौर्य, 2, अर्पिता सिंह, 3, नन्दिनी गुप्ता) के नामनिर्देशन पत्र प्राप्त हुए एवं सभी नामनिर्देशन पत्र विधिमान्य पाये गये तत्पश्चात् मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। मतदान समप्ति के पश्चात् मतगणना प्रारंभ हुई जिसमे (हीरालाल मौर्य,-7 मत , अर्पिता सिंह-05 मत , नन्दिनी गुप्ता-04 मत एवं अविधिमान्य 02 मत प्राप्त हुए) जिसमें सर्वाधित मत हीरालाल मौर्य को प्राप्त हुआ और सम्यक रूप से उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गये। निर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को अनुविभागीय अधिकारी प्रवीण कुमार भगत द्वारा प्ररूप-छः में प्रमाण पत्र परिदत्त किया गया। तत्पश्चात् निर्वाचन की कार्यवाही पूर्ण कर निर्वाचन की कार्यवाही समाप्त की गई।

धर्म परिवर्तन पर बवाल, चर्च में रोकी प्रार्थना सभा

हिंदू संगठन बोला- बहला-फुसलाकर करवा रहे आदिवासियों का धर्मांतरण, पुलिस ने शांत कराया मामला

मीडिया ऑडीटर, मोहला-मानपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में फिर धर्मांतरण को लेकर हंगामा हुआ है। हंगामा इतना बढ़ा कि, 2 चर्चों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों को बीच में ही रोकना पड़ा। मेनोनाइट चर्च में कलीसिया स्थापना सभा और इंडियन क्रिश्चियन मिनिस्ट्री चर्च में प्रार्थना सभा चल रही थी। मामला मोहला इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, रविवार को हिंदू संगठनों और आदिवासी समाज के प्रमुखों ने इन कार्यक्रमों को धर्मांतरण से जोड़ते हुए विरोध किया था। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मेनोनाइट चर्च पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज के लोगों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है।

हंगामा बढ़ता देख मौके पर पहुंची पुलिस ने चर्च के अंदर से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और मामले को शांत कराया। वहीं, बजरंग दल ने अवैध भूमि पर चर्च होने का दावा किया है।

इंडियन क्रिश्चियन मिनिस्ट्री चर्च में हंगामा: पहले चर्च में विरोध के बाद प्रदर्शनकारी वार्ड नंबर 16 स्थित इंडियन क्रिश्चियन मिनिस्ट्री चर्च पहुंचे। यहां स्थानीय आदिवासी परिवारों को एकत्रित कर प्रार्थना सभा का आयोजन किया जा रहा था। यहां भी हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि आदिवासियों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

आगे की कार्रवाई कर रही प्रशासन: मामले में तनाव बढ़ने पर मोहला तहसीलदार दिनेश साहू और पुलिस बल मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। साथ ही विरोध जारी रहने पर दोनों चर्चों में चल रहे कार्यक्रम रोक दिए गए। ईसाई धर्मगुरुओं और अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर रवाना किया गया। मोहला तहसीलदार दिनेश साहू ने बताया कि हिंदू संगठनों ने चर्च में हो रहे कार्यक्रमों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी। सभा के बाद ईसाई समाज के लोगों को सुरक्षित उनके गंतव्य की ओर भेजा गया है। साथ ही चर्च की जमीन को लेकर की गई शिकायत की जांच की जाएगी।

आयोजनों पर सख्ती से नजर रखने की मांग: वहीं, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष टेकराम भंडारी ने कहा कि आदिवासी समाज अपनी परंपराओं और संस्कृति से जुड़ा हुआ है, किसी भी प्रकार के अवैध धर्मांतरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जिले में इस तरह के आयोजनों पर सख्ती से नजर रखी जाए और कथित धर्मांतरण में लिप्त लोगों पर कार्रवाई की जाए।

भविष्य में बढ़ सकता है विवाद: मोहला जिले में पिछले कुछ सालों में ईसाई समुदाय की गतिविधियों में तेजी आई है। पहले जहां ईसाई अनुयायियों की संख्या कम थी, अब कई गांवों में चर्चों की स्थापना हो रही है। इस बदलाव से हिंदू संगठन खुलकर इसका विरोध कर रहे हैं।

जुआ खेलते रायपुर-दुर्ग के 7 जुआरी गिरफ्तार

नाला के पास जमी थी महफिल, एक कार, 7 बाइक समेत 11 लाख का माल जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में जुआ खेलते 7 जुआरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने अभनपुर के खोरपा गांव के नाले के पास जुए की महफिल जमाई थी। इसकी भनक पुलिस को लगी, तो आरोपियों की घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, 3 मार्च को क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि अभनपुर के ग्राम खोरपा स्थित नाला के पास कुछ व्यक्ति ताशपत्ती से पैसे के हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर रेड मारा। पुलिस ने 1 लाख 2900 रुपए कैश, ताशपत्ती, 7 मोबाइल, 7 बाइक, और एक कार जब्त किया है। जिसकी कुल कीमत 11 लाख रुपए आंकी गई है।

ये आरोपी हुए हैं गिरफ्तार: विवेक पटेल पिता फिरंताराम पटेल (34) निवासी ग्राम साऊनी थाना पाटन जिला दुर्ग। गोविन्दापुरी गोस्वामी पिता जगमोहन पुरी गोस्वामी (28) निवासी ग्राम सांकरा थाना अमलेश्वर जिला दुर्ग। सत्यम कुमार सेन पिता मनोज कुमार सेन (29) निवासी ग्राम साऊनी थाना पाटन जिला दुर्ग। अशोक कुमार जांगडे पिता रामकृष्ण जांगडे (34) निवासी ग्राम साऊनी थाना पाटन जिला दुर्ग। रमेश कुमार चन्द्राकर पिता चिंताराम चन्द्राकर (39) निवासी ग्राम कुथरेल थाना अण्डा जिला दुर्ग। महेश सिन्हा पिता पंचू सिन्हा (44) निवासी ग्राम जामगांव थाना अमलेश्वर जिला दुर्ग। राहुल ध्रुव पिता राधेलाल ध्रुव (18) निवासी ग्राम भटगांव थाना अभनपुर जिला रायपुर।

बिलासपुर के एजेंटों ने साइबर ठगों को बेचा फर्जी सिम-कार्ड

दिल्ली-राजस्थान से जुड़े पीओएस एजेंट के तार, 500 से 1000 लेते थे कमीशन, 5 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर पुलिस ने दिल्ली, राजस्थान के साइबर ठगों को फर्जी सिम उपलब्ध कराने वाले 5 पाइंट ऑफ सेल्स एजेंट (पीओएस) को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने साइबर ठगों को अवैध लेन-देन करने के लिए अलग-अलग समय पर फर्जी आईडी से सिम जनरेट कर बेचा था। जिसका इस्तेमाल ठगी में किया गया।

दरअसल, नेशनल साइबर क्राइम टीम ने देश के कई राज्यों में ऑनलाइन ठगी के केस को गंभीरता से लिया है। जांच के दौरान ऐसे कई संदिग्ध बैंक अकाउंट धारकों के साथ ही सिम कार्ड बेचने वाले एजेंटों की पहचान की गई है, जिनकी लिस्ट साइबर क्राइम पोर्टल में अपलोड किया गया है। साथ ही संबंधित राज्यों की पुलिस को ऐसे बैंक खाताधारक और पीओएस एजेंट की धरपकड़ करने के निर्देश दिए हैं।

एसपी ने बनाई टीम, कोटा के एजेंटों की हुई पहचान: जिसके बाद एसपी रजनेश सिंह ने जिले के पीओएस एजेंट और म्यूल खाताधारकों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई है। एंटी साइबर एंड क्राइम यूनिट की टीम इसकी जांच कर रही है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर टीम ने पीओएस एजेंट की तलाश की। सभी कोटा क्षेत्र के थे।

जिन्होंने ग्रामीणों की आईडी पर एक से अधिक सिम कार्ड जनरेट कर दिल्ली, अलवर और राजस्थान के साइबर ठगों को उपलब्ध कराए थे। इन नंबर साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट, शेयर ट्रेडिंग फ्रॉड, केवाईसी अपडेट जैसे साइबर अपराध में उपयोग करते थे। उनके माध्यम से ठगी की वारदात को अंजाम दिए गए हैं।

500 से 1000 रुपए कमीशन में बेचते थे सिम कार्ड: पुलिस की पूछताछ में पता चला कि, फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने के एवज में पीओएस एजेंट को केवल 500 से 1000 रुपए मिलते थे। टीम ने ऐसे सभी पांच एजेंट की पहचान कर उनके घरों में दबिश दी। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

कोटा से पहले भी तीन आरोपियों की हुई थी गिरफ्तारी: पुलिस ने इससे पहले म्यूल अकाउंट और फर्जी सिम कार्ड की जांच के बाद 19 लोगों को गिरफ्तार किया था। जिसमें कोटा क्षेत्र के तीन आरोपी शामिल थे। अब दूसरी बार भी कोटा क्षेत्र 5 पकड़े गए, जिनमें अंशु श्रीवास (19) निवासी पथर्रा, फिरोज अंसारी (19) फिरंगीपारा, मुकुल श्रीवास (21) फिरंगीपारा, द्वारिका साहू (23) डाक बंगलापारा, जय पालके (20) निवासी नवागांव कोटा शामिल हैं।

जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में ज्योति गुप्ता बनीं उपाध्यक्ष 12 मतों से दर्ज की जीत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़ में जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा की ज्योति गुप्ता ने कांग्रेस के सुरेन्द्र सिंह को 12 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार यह चुनाव अमृत सदन सभाकक्ष में संपन्न हुआ, जिसका संचालन अनुविभागीय अधिकारी (रा.) लिंगराज सिदार ने किया। तहसीलदार यादवेन्द्र कैवर्त सहायक पीठासीन अधिकारी के रूप में रहे, जबकि जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी वैशाली सिंह भी उपस्थित रहीं। चुनाव प्रक्रिया दोपहर 3 बजे से प्रारंभ हुई, जिसमें नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए भाजपा से ज्योति गुप्ता और कांग्रेस से सुरेन्द्र सिंह ने आवेदन प्रस्तुत किया। संवीक्षा के बाद नामांकन वैध पाए गए और मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। शाम 5 बजे से 5:30 बजे तक मतदान संपन्न हुआ, जिसमें कुल 17 में से 16 निर्वाचित सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के पश्चात ज्योति गुप्ता को 14 और सुरेन्द्र सिंह को 2 मत प्राप्त हुए, जबकि एक सदस्य अनुपस्थित रहा। इस तरह 12 मतों से जीतकर ज्योति गुप्ता उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुईं। मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की औपचारिक घोषणा की गई और विजयी प्रत्याशी को पीठासीन अधिकारी को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही पूरी निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई।

युवाओं और उद्योगों के बीच की दूरी होगी कम-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-भोपाल रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड-शो के परिणामस्वरूप, मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए एक आकर्षक केंद्र बना। साथ ही कुशल मैन पॉवर उपलब्ध कराने वाला आदर्श स्थान पर बन रहा है। प्रदेश सरकार ने इंडस्ट्री और स्किल डेवलपमेंट को आपस में जोड़ते हुए, इंडस्ट्री-रेडी वर्क फोर्स तैयार करने की दिशा में कई रणनीतिक साझेदारियां की हैं। इससे लाखों युवाओं को प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जीआईएस-भोपाल में कौशल विभाग ने कई देशी-विदेशी एजेंसियों के साथ एमओयू किये। ये एजेंसियां आधुनिक तकनीक को ध्यान में रखते हुए एडवांस ट्रेड्स एवं विधाओं का कौशल प्रशिक्षण देंगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और निवेशकों को कुशल वर्क फोर्स मिलेगा।

जीआईएस में युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिये संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा 8 एमओयू साइन किये गये। इंडो-जर्मन ग्रीन स्किल्स (जीआईजीएस) और कंपनी श्नाइडर इलेक्ट्रिक के सहयोग से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में सिमुलेशन-बेस्ड ट्रेनिंग शुरू की जा रही है। इससे इलेक्ट्रिशियन और सोलर तकनीशियन जैसे ट्रेड्स में कुशल युवाओं की मांग पूरी होगी। इसी प्रकार, जीआईजीएस और सिमेंस इंडिया की साझेदारी आईटी प्रशिक्षुओं को इंडस्ट्री-रेडी ग्रीन स्किल्स प्रदान करेगी। इससे प्रदेश में सतत् और समावेशी व्यावसायिक कार्यक्रमों को मजबूती मिलेगी। साइन्टेक टेक्नोलॉजीज और अपनाटाइम टेक प्रा. लि. के साथ मिलकर ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और अपस्किलिंग की पहल की जा रही है।

इससे इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रतिभा को विकसित किया जा सकेगा। यह कंपनी अपने डिजिटल भर्ती प्लेटफॉर्म से प्रदेश के युवाओं को संभावित नियोक्ताओं से जोड़ेगी, इससे रोजगार प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल और व्यापक होगी। ग्वालियर के सरकारी डिविजनल आईटीआई में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के प्रशिक्षुओं को मार्तंडक सोलर एनर्जी प्रा. लि. द्वारा प्रशिक्षित एवं प्रायोजित किया जाएगा। इससे तकनीकी शिक्षा और उद्योग की मांग के बीच संतुलन स्थापित होगा। उन्नति फाउंडेशन स्वयम पोर्टल के माध्यम से रोजगार उन्मुख ऑनलाइन पाठ्यक्रम, साइकोमेट्रिक विश्लेषण और कैरियर गाइडेंस प्रदान कर रही है, जिससे युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी।

प्रदेश के युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के लिए वन वर्ल्ड एलायंस जापान के सहयोग से जापानी भाषा और आवश्यक कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे जापान में भी रोजगार के लिए तैयार हो सकेंगे। जीआईएस भोपाल से मिलेगा व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार अवसरों को नया आयाम मध्यप्रदेश में ग्रीन स्किल्स और इंडस्ट्री-रेडी वर्क फोर्स को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षीय सहयोग जीआईएस-भोपाल के प्रभावी परिणामों के रूप में, मध्यप्रदेश में कौशल विकास और रोजगार अवसरों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग स्थापित किए गए हैं।

इंडस्ट्री-फोकस्ड प्रशिक्षण कार्यक्रमों और व्यावसायिक शिक्षा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण साझेदारियों को मूर्त रूप दिया गया है।

रिलायंस ग्रुप के वनतारा में पीएम मोदी के 7 घंटे

जामनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते 1 मार्च से तीन दिन तक गुजरात दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने रविवार (2 मार्च) को जामनगर में रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा का उद्घाटन किया। इसके फोटो-वीडियो मंगलवार को सामने आए हैं। वनतारा के उद्घाटन के मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, पत्नी नीता अंबानी, बेटा अनंत अंबानी और बहू राधिका मर्चेंट भी मौजूद रहे। पीएम ने यहां सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक 7 घंटे बिताए। अनंत अंबानी का यह ड्रीम प्रोजेक्ट वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र है। यह 2000 से अधिक प्रजातियों और 1.5 लाख से ज्यादा बचाए गए लुप्तप्राय और संकटग्रस्त जानवरों का घर है। मोदी ने वनतारा में वन्यजीव अस्पताल का दौरा किया और पशु-चिकित्सा की सुविधाएं देखीं। इसके अलावा उन्होंने एशियाई शेर और सफेद शेर के शावकों को अपने हाथों से खाना भी खिलाया। पीएम ने वनतारा की सफारी की और इसके बाद कई वन्यजीवों के साथ समय बिताया।

चंडीगढ़ में प्रदर्शन से पहले किसान नेता हिरासत में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं से मीटिंग के लिए तैयार हो गई है। सोमवार को चंडीगढ़ में पंजाब सीएम और किसानों के बीच बहस के बाद भगवंत मान बैठक छोड़कर चल गए थे। मंगलवार सुबह किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल समेत कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा, किसान मजदूर मोर्चा के नेता दिलबाग सिंह गिल को घर में नजरबंद किया गया है। पुलिस संगरूर में भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां) के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां के घर भी पहुंची, लेकिन वह नहीं मिले। किसानों पर कार्रवाई को लेकर एसकेएम ने लुधियाना में इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। उन्होंने कहा है कि 5 मार्च को चंडीगढ़ में प्रदर्शन होगा। उधर, विवाद बढ़ने पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा- मैंने किसानों से पूछा था कि प्रदर्शन का क्या रहेगा? किसानों का कहना था कि जारी रहेगा। फिर मैंने कहा कि मुझे ढाई घंटे तक क्यों बैठाया? ये मांगें मुझसे संबंधित नहीं थीं। ये मांगें केंद्र से हैं। इस पर किसानों का कहना था कि डर कर आप मीटिंग में आए हैं। मैं उन्हें यह कहकर आया था कि मैं मित्र की तरह हूं। मीटिंग और मोर्चा साथ नहीं चलेगा।

माधबी बुच पर एफआईआर दर्ज नहीं होगी, हाईकोर्ट की रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच समेत 6 अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के स्पेशल कोर्ट के आदेश पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज यानी, मंगलवार (4 मार्च) को रोक लगा दी। बुच ने स्पेशल कोर्ट के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर जस्टिस एसजी डिगे ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कहा- शिकायतकर्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- राज्य सरकारें सस्ता इलाज देने में नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, राज्य सरकारें किफायती चिकित्सा और बुनियादी ढांचा देने में नाकाम रही हैं। इससे प्राइवेट अस्पतालों को बढ़ावा मिल रहा है। इसे रोकने के लिए केंद्र सरकार को गाइडलाइन बनानी चाहिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई गई थी, जिसमें कहा गया था कि प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिवारों को अस्पताल की फार्मेसी से महंगी दवाएं और मेडिकल इक्विपमेंट खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है।

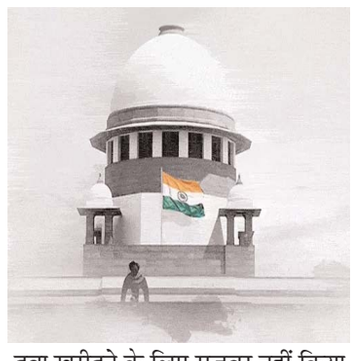

इसलिए ऐसे अस्पतालों पर नकेल कसी जाए। इसे रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को आदेश दिया जाए। जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने इस पर सुनवाई की। केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि मरीजों को अस्पताल की फार्मेसी से

दवा खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी है कि राज्य सरकारें अपने अस्पतालों में दवाएं और मेडिकल सेवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराएं ताकि मरीजों का शोषण न हो। जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा- इसे कैसे नियंत्रित करें? जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम याचिकाकर्ता की बात से सहमत हैं, लेकिन इसे कैसे नियंत्रित करें? कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा कि वे प्राइवेट अस्पतालों को कंट्रोल करें, जो मरीजों को अस्पताल की दुकान से दवाई खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। खासकर वे दवाइयां जो किसी और जगह सस्ते में मिल जाती हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार को गाइडलाइन बनाने को कहा, जिससे प्राइवेट अस्पताल आम लोगों का शोषण न कर सकें। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी राज्यों को नोटिस भेजा था। ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने जवाब दाखिल किए थे। दवाइयों की कीमतों के मुद्दे पर राज्यों ने कहा कि वे केंद्र सरकार के प्राइस कंट्रोल ऑर्डर पर निर्भर हैं। केंद्र सरकार ही तय करती है कि किस दवा की क्या कीमत होगी।

सरपंच हत्याकांड- महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे का इस्तीफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड में सरपंच हत्या मामले में एनसीपी अजित पवार गुट के विधायक और मंत्री धनंजय मुंडे ने इस्तीफा सौंप दिया है। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मुंडे से इस्तीफा मांगा था। उन्होंने इसके लिए एनसीपी प्रमुख अजित पवार और पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल से भी बातचीत की थी। मुंडे महाराष्ट्र सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री थे। आरोप है कि बीड में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड का हाथ है। एसआईटी ने कराड को हत्या का मास्टरमाइंड बताया है। हत्या से जुड़ी तस्वीरें अब सामने आई हैं। इसमें आरोपी लाठी-डंडों से सरपंच को पीटते दिख रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सरपंच के कपड़े उतारे, उन पर पेशाब की। ये सभी वीडियोज आरोपियों ने अपने फोन से रिकॉर्ड किए थे। धनंजय मुंडे बोले- तबियत खराब होने के चलते इस्तीफा दिया बीड जिले में संतोष देशमुख की हत्या के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, यह मेरी पहले दिन से ही मांग रही है। कल जो तस्वीरें सामने आईं, उन्हें देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। इस मामले की जांच पूरी हो चुकी है और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। जहां तक इस्तीफे की बात है, मेरी तबीयत ठीक नहीं है जिसके चलते मैंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया।

यूपी विधानसभा में विधायक ने पान मसाला थूककर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को एक घटना घटी, जिसने सदन की गरिमा और स्वच्छता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। एक विधायक ने सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले पान मसाला खाकर हॉल में थूक दिया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कड़ी नाराजगी जताई और इसे अनुशासनहीनता करार दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने वीडियो में देखा है कि यह हरकत किसने की, लेकिन वह किसी सदस्य का नाम नहीं लेना चाहते। अध्यक्ष महाना ने कहा, सदन में इस तरह की हरकतें बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा न सिर्फ एक व्यक्ति की है, बल्कि 403 विधायकों और 25 करोड़ उत्तर प्रदेश के लोगों की है। इसे स्वच्छ और गरिमामय बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जिसने यह हरकत की है, उसकी पहचान हो चुकी है। अगर वह खुद आकर अपनी गलती स्वीकार कर लेता है तो ठीक, अन्यथा उसे बुलवाया जाएगा। सतीश महाना ने सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि अगर कोई विधायक ऐसे कृत्य को देखे, तो उसे तुरंत रोकने का प्रयास करे।

उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा की मर्यादा और उत्तर प्रदेश की जनता की आस्था को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

में पारा 35 पार, राजस्थान में सर्दी बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और किन्नौर जिलों में मौसम विभाग ने आज भी बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। लाहौल-स्पीति जिले का केलांग -10.2 डिग्री तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा। पिछले दिनों बर्फबारी और बारिश की वजह से हुई लैंडस्लाइड और बाढ़ से राज्य में सैकड़ों सड़कें अभी भी बंद हैं। हिमाचल बोर्ड की परीक्षाएं शनिवार तक स्थगित कर दी गई हैं। इसके अलावा कश्मीर के अधिकतर इलाकों में कल बारिश और बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक हालिया बारिश की वजह से बारिश की कमी 80 प्रतिशत से घटकर 40 प्रतिशत रह गई है। राजस्थान में आज से फिर सर्दी बढ़ने की संभावना है। बीकानेर, जयपुर संभाग के जिलों में रात का तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

मध्य प्रदेश में इंदौर-जबलपुर संभाग के शहरों में पारा 35 डिग्री के पार चल रहा है। भोपाल-उज्जैन में भी टेंपरेचर बढ़ा है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से पारे में 2 से 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

अरविंद केजरीवाल विपश्यना ध्यान में होंगे लीन

अमृतसर (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल अब सार्वजनिक रूप से कम नजर आ रहे हैं। इस बीच खबर है कि वह 10 दिनों के लिए विपश्यना ध्यान में शामिल होने जा रहे हैं। इसके लिए वह पंजाब के होशियारपुर स्थित ध्यान केंद्र में रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 5 मार्च से 15 मार्च तक केजरीवाल महिलांवाली गांव के पास आनंदगढ़ में धम्म-धज विपश्यना योग केंद्र में ध्यान करेंगे। यह पहली बार नहीं है जब वह इस प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। इससे पहले लोकसभा चुनाव 2024 से पहले दिसंबर 2023 में भी उन्होंने होशियारपुर के इसी ध्यान केंद्र में 10 दिन बिताए थे। दिसंबर 2023 को जब अरविंद केजरीवाल होशियारपुर पहुंचे थे, तब उनके खिलाफ ईडी कार्रवाई तेज कर चुकी थी। बार-बार कहने पर भी केजरीवाल ईडी के सामने पेश नहीं हो रहे थे।

गौरतलब है कि, दिल्ली में लगातार 9 साल तक सत्ता में रहने के बाद आम आदमी पार्टी को हाल ही में विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। 70 में से सिर्फ 22 सीटें जीतने में सफल रही आप को बड़ा झटका लगा, जबकि खुद केजरीवाल भी चुनाव हार गए। चुनाव परिणामों के बाद से केजरीवाल सिर्फ पार्टी से जुड़े कार्यक्रमों में ही नजर आ रहे हैं, लेकिन सार्वजनिक तौर पर उनकी मौजूदगी बहुत कम हो गई है। विपश्यना ध्यान के बाद उनकी अगली रणनीति को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं।

केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़ मामला, 4 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे की बेटी से छेड़छाड़ मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, 3 आरोपियों की तलाश अब भी जारी है। जलगांव एसपी महेश्वर रेड्डी के मुताबिक, छेड़छाड़ मामले में 2 मार्च को मुक्ताईनगर पुलिस स्टेशन में 7 लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार दर्ज की गई थी।

इनमें से 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनका नाम अनिकेत भोई, किरण माली, अनुज पाटिल है। आरोपी अनिकेत का पिछला आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। चौथा आरोपी नाबालिग है। महेश्वर रेड्डी ने कहा- 3 आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 2 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। बचे आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना की अच्छी से जांच की जाएगी और अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने की कोशिश करेंगे। आदित्य बोले- आरोपी को चौराहे पर फांसी देनी चाहिए मामले को लेकर मीडिया से बातचीत में शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा- कोई भी पार्टी का कार्यकर्ता, जो महिला के साथ अत्याचार करता है। उसे आतंकवादी माना जाना चाहिए और चौराहे पर फांसी देनी चाहिए। ऐसे लोगों को सजा दी जानी चाहिए, चाहे वे किसी भी पार्टी से हो। केंद्रीय मंत्री ने खुद छेड़छाड़ मामले की शिकायत दर्ज की थी दरअसल, रविवार को मामला सामने आया था कि महाराष्ट्र के जलगांव के मुक्ताई नगर इलाके में एक मेले के दौरान कुछ लड़कों ने केंद्रीय मंत्री की बेटी और उसकी सहेलियों से छेड़खानी की है। मामले की शिकायत खुद केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने मुक्ताई नगर थाने में की है। रक्षा खडसे ने मांग की है कि पुलिस छेड़छाड़ करने वालों को गिरफ्तार करे। उन्होंने कहा कि इतनी सुरक्षा के बीच लोगों के साथ इस तरह से छेड़छाड़ होती है तो आम लड़कियों के साथ क्या होता होगा।

रोड एक्सीडेंट में घायलों को फ्री इलाज इसी महीने से:गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोड एक्सीडेंट में घायलों को इसी महीने यानी मार्च 2025 से डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। यह नियम प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। एनएचएआई इसके लिए नोडल एजेंसी का काम करेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, योजना के लिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 में पहले ही संशोधन हो चुका है। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से पहले बीते 5 महीनों में पुडुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया, जो सफल रहा। एनएचएआई ऑफिसर ने बताया कि घायल को पुलिस या कोई आम नागरिक या संस्था जैसे ही हॉस्पिटल पहुंचाएगी, उसका इलाज तुरंत शुरू हो जाएगा। इसके लिए कोई फीस भी जमा नहीं करनी होगी। घायलों के साथ चाहे परिजन हो या नहीं, हॉस्पिटल उसकी देखरेख करेंगे। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही हॉस्पिटल को कैशलेस इलाज देना होगा। नितिन गडकरी ने कैशलेस ट्रीटमेंट योजना लॉन्च की थी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों को कैशलेस इलाज देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरू किया था। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को गडकरी ने योजना को देशभर में ऑफिशियली लॉन्च करने की घोषणा की। इससे देश में कहीं भी रोड एक्सीडेंट होने पर घायल व्यक्ति को इलाज के लिए भारत सरकार की ओर से अधिकतम 1.5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। जिससे वह 7 दिनों तक अस्पताल में इलाज करा सकेगा। डेढ़ लाख से ऊपर खर्च पर खुद पैसे देने होंगे अस्पताल को प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल में रेफर करना है तो उस अस्पताल को सुनिश्चित करना होगा कि जहां रेफर किया जा रहा है, वहां मरीज को दाखिला मिले। डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में एनएचएआई काम करेगा, यानी इलाज के बाद मरीज या उनके परिजन को डेढ़ लाख तक की रकम का भुगतान नहीं करना है। यदि इलाज में डेढ़ लाख से ज्यादा का खर्च आता है तो बढ़ा बिल मरीज या परिजन को भरना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोशिश यह हो रही है कि डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए तक किया जा सके। दरअसल, दुर्घटना के बाद का एक घंटा 'गोल्डन ऑवर' कहलाता है। इस दौरान इलाज न मिल पाने से कई मौतें हो जाती हैं। इसी को कम करने के लिए यह योजना शुरू की जा रही है।

मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले डीके शिवकुमार

बैंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक के नेतृत्व पर नए सिरे से चर्चा के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का पुरजोर समर्थन करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि खड़गे से मुलाकात प्रोटोकॉल का मामला था। उन्होंने कहा कि वह मेरे अध्यक्ष हैं। वह मेरे नेता है। एक प्रोटोकॉल है कि मुझे जाकर उन्हें रिसीव करना है, इसलिए मैं गया। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने खड़गे को बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय के शिलान्यास समारोह में भी आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि हम बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय की नींव रख रहे हैं। मैंने उन्हें इसके लिए भी आमंत्रित किया है। इससे पहले, मोइली ने कहा कि शिवकुमार ने अपने नेतृत्व और पार्टी को मजबूत करने के प्रयासों से यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यहाँ-वहाँ बयान हो सकते हैं, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से उनकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिवकुमार का नेतृत्व श्रद्धेय जैन देवता की तरह फलेगा-फूलेगा। उन्होंने कहा कि आपने (डीके शिवकुमार) अच्छा नेतृत्व दिया है। आपने पार्टी बनाई है। लोग बयानबाजी कर रहे हैं लेकिन आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। इसे लेकर उत्तेजित होने की जरूरत नहीं है। आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री बनना कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे उपहार के रूप में दिया जाना चाहिए, यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने कड़ी मेहनत से अर्जित किया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में टीम इंडिया में हो सकते हैं बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट में अभी तक के सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले जीतकर अजेय टीम इंडिया अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में भारत ने स्पिनरों के दम पर 44 रन से शानदार जीत दर्ज की है। हालांकि, बल्लेबाजी में श्रेयस अय्यर को छोड़कप अन्य किसी का बल्ला नहीं चला। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत की प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव की संभावना बन रही है।

चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में शामिल हर खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हालांकि, मध्यक्रम में केएल राहुल कुछ खास नहीं कर पा रहे हैं। केएल राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ 41 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में 23 रन की पारी खेली थी। पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। वहीं विकेटकीपिंग के दौरान भी उनसे कैच छूटे हैं। ऐसे में राहुल को बाहर कर पंत को मौका दिया जा सकता है। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती ने बेहतरीन गेंदबाजी की और पांच विकेट हॉल का कारनामा किया। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वरुण को हर्षित राणा की जगह मौका मिल सकता है।

प्रज्ञानानंदा ने लगातार अपनी दूसरी जीत हासिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अराविंद चिदंबरम के साथ टॉप पर है। अराविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि टॉप वरीयता प्राप्त चीन के वेई यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाई देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा का सामना अगले दौर में अराविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ अंक हैं। बता दें कि, इससे पहले आर प्रज्ञानानंदा ने डी गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज खिताब जीता था। पहली बार किसी भारतीय ने ये खिताब अपने नाम किया था।

सेमीफाइनल से पहले गद्दाफी स्टेडियम की छत हुई लीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का दूसरा सेमीफाइनल मैच साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच 5 मार्च को खेला जाएगा। ये मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम को रेनोवेट करने में पीसीबी को 100 से ज्यादा दिनों का समय लगा था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि स्टेडियम के रेनोवेट में 500 करोड़ के करीब खर्च किया गया है। हालांकि, अब बोर्ड की पोल खुद गई है। गद्दाफी स्टेडियम का नवीनकरण करने में करीब 500 करोड़ पाकिस्तान रुपये खर्च करने की बात कही गई थी। यहां बैठने की व्यवस्था, फ्लड लाइट्स से लेकर कुछ नई इमारतें भी बनाई गई थी। पीसीबी को इसकी तैयारी पूरी करने में अतिरिक्त समय लगा था। चैंपियंस ट्रॉफी से कुछ दिन पहले ही ये तैयार हुआ था। अब पाकिस्तान की किरकिरी इस वजह से हो रही है क्योंकि स्टेडियम में मौजूद बाथरूम की छत से पानी टपकने का वीडियो वायरल हो रहा है। बता दें कि, इस स्टेडियम में पिछला मैच 28 फरवरी को अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाना था।

लेकिन बारिश के कारण मुकाबला रद्द हो गया। पीसीबी बोर्ड के पास ग्राउंड सुखाने की उचित व्यवस्था नहीं थी, यहां तक बारिश के दौरान पूरे ग्राउंड को कवर भी नहीं किया गया था। इसको लेकर पीसीबी की काफी बेइज्जती हुई थी। अब स्टेडियम का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

केकेआर ने आईपीएल के तीन खिताबों के सम्मान में तारामंडल में तीन सितारे पंजीकृत किये

कोलकाता (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के तीन बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने आधिकारिक तौर पर जेमिनी (मिथुन) तारामंडल के आसपास तीन सितारों को पंजीकृत किया है जो टीम के 2012 (कोरबो), 2014 (लोरबो) और 2024 (जीतबो) में उनकी खिताबी जीत का प्रतीक है। साफ आसमान में इन तारों को कोऑर्डिनेट्स (निर्देशांक) का उपयोग करके या क्यूआर कोड को स्कैन करके देखा जा सकता है। केकेआर की मुख्य विपणन अधिकारी बिंदा डे ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''सितारों को उन तारीखों पर पंजीकृत किया गया है जब हमने तीनों खिताब जीते थे। इन्हें 27 मई 2012, एक जून 2014 और 26 मई 2024 को पंजीकृत किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''तीनों सितारों को मिथुन तारामंडल के आसपास से चुना गया है, क्योंकि ये तीनों तिथियां मिथुन राशि में आती हैं।

इन में से शिखर पर काबिज तीसरा सितारा हमें इस साल की हमारी सफलता को लेकर एक शानदार एहसास देता है।'' नाइट राइडर्स दुनिया भर में चार टीमों के साथ एक वैश्विक फ्रेंचाइजी है। केकेआर के लंबे समय से चले आ रहे आदर्श वाक्य कोरबो (प्ले), लोरबो (संघर्ष) और जीतबो (जीत) के नाम पर नामित तीन सितारे टीम की चैंपियनशिप-विरासत के लिए एक सम्मान की तरह है। बिंदा ने कहा, '' केकेआर ने विरासत में बनाये रखने के लिए अपनी पहुंच को पिच से परे ब्रह्मांड में ले गया। हमारे आईपीएल खिताबों के सम्मान में मिथुन तारामंडल के चारों ओर इन तीन सितारों को पंजीकृत करके हमने अपनी तरह का पहला खगोलीय उत्सव मनाया है। 'कोरबो, लोरबो, जीतबो' अब सिर्फ हमारा आदर्श वाक्य नहीं है बल्कि यह सितारों में भी लिखा है।

2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत'-सेबेस्टियन को

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी। भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने 'पीटीआई' से विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई। '' उन्होंने कहा, ''पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है। '' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीये, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के लिए ऑनफील्ड अंपायर्स के नामों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए आईसीसी ने ऑन-फील्ड अंपायर्स, थर्ड अंपायर और मैच रेफरी के नामों का ऐलान किया। वहीं दूसरा सेमीफाइनल लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के क्रिस गैफनी और इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ दुबई में होने वाले भारत और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल मैच के लिए ऑन-फील्ड अंपायर्स होंगे। इस मैच में माइकल गॉफ थर्ड अंपायर होंगे और

मैच रेफरी की भूमिका में एंडी पाइक्रॉफ्ट होंगे। साउथ अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड, दूसरा सेमीफाइनल मैच लाहौर में होगा। इस मैच में ऑन-फील्ड अंपायर्स श्रीलंका के कुमार धर्मसेना और ऑस्ट्रेलिया के पॉल रीफेल होंगे। जोएल विल्सन थर्ड अंपायर होंगे, जबकि रंजन मदुगले इस मुकाबले के लिए मैच रेफरी होंगे।

आस्ट्रेलियाई चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में चोटिल शॉर्ट की जगह कोनोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला कूपर कोनोली को चैम्पियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिये चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान पिंडली में चोट लगी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 21 वर्ष के कोनोली को टूर्नामेंट में यात्रा रिजर्व में रखा गया था। आईसीसी टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने इस बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। कोनोली ने अभी तक आस्ट्रेलिया के लिये छह अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें तीन वनडे हैं। आस्ट्रेलिया को मंगलवार को पहले सेमीफाइनल में भारत से खेलना है।

कई खिलाड़ियों ने कहा- टीम इंडिया को मिल रहा एक ही वेन्यू पर खेलने का फायदा, अब रोहित शर्मा ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में ही खेल रही है। जहां भारत ने अभी तक तीन मैच खेले हैं जिसमें जीत की हैट्रिक लगाई है। वहीं कई खिलाड़ियों का कहना है कि टीम इंडिया को एक ही वेन्यू पर खेलने का फायदा मिल रहा है। जिस पर अब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का जवाब आया है।

दरअसल, रोहित ने इस धारणा को खारिज किया है कि सारे मैच दुबई में खेलने से उनकी टीम को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये उनका घरेलू मैदान नहीं है और पिचों से उनकी टीम को अलग तरह की चुनौतियां मिली हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, हर बार पिच से अलग तरह की चुनौती मिलती है। यहां हमने तीन मैच खेले हैं और तीनों मैचों में पिच का स्वभाव अलग रहा है। ये हमारा घर नहीं है, ये दुबई है। हमने यहां उतने मैच भी नहीं खेले हैं। ये हमारे लिए भी नया है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले तुरंत हालात के अनुरूप ढलना

होगा। उन्होंने कहा कि, यहां चार या पांच पिचें इस्तेमाल की जा रही हैं। मुझे नहीं पता कि सेमीफाइनल में कौन सी पिच होगी। लेकिन जो भी हो, हमें खुद को ढालना होगा और उस पर खेलना होगा। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि, हमने देखा जब गेंदबाज गेंद डाल रहे थे और वह स्विंग ले रही थी। पहले दो मैचों में ऐसा नहीं था। पिछले मैच में हमने देखा कि उतना स्पिन नहीं मिल रहा है। लिहाजा अलग-अलग पिच पर अलग चुनौतियां है। हमें नहीं पता होता कि पिच कैसी रहेगी या कैसी नहीं। रोहित ने कहा कि गेंदबाजों को पिच से मदद मिलती तो मैच और मजेदार होते। रोहित ने आगे कहा कि, अगर इसमें गेंदबाजों के लिए भी कुछ होता तो मैच और दिलचस्प होते। चुनौतीपूर्व पिचें अच्छी रहती है क्योंकि हम अच्छे मुकाबले चाहते हैं। रोहित ने टीम में पांच स्पिनरों को चुने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि, उन्हें दुबई की पिचों का अनुमान था क्योंकि वे आईएलटी20 पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि, पिछले दो महीने में हमने देखा कि पिचें धीमी हैं। हम आईएलटी 20 देख रहे थे जो यहां खेला गया था और हमें लगा कि स्पिनर मददगार होंगे। अतिरिक्त बल्लेबाज चाहिए तो ऋषभ पंत है इसलिए हमने अतिरिक्त स्पिनर चुना।

केकेआर ने अजिंक्य रहाणे को बनाया नया कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने नए कप्तान के नाम का ऐलान किया है। केकेआर ने अपने नए कप्तान के तौर पर अजिंक्य रहाणे को टीम की जिम्मेदारी दी है। वहीं ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को भी अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, वेंकटेश आईपीएल 025 में केकेआर के उपकप्तान होंगे। केकेआर डिफेंडिंग चैंपियन है, जिसने आईपीएल 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, कोलकाता ने मेगा ऑक्शन से पहले श्रेयस को रिलीज कर दिया था, जो अब पंजाब किंग्स के कप्तान हैं।

केकेआर ने मेगा ऑक्शन में रहाणे को 1.5 करोड़ के बेस प्राइस पर खरीदा था। वह 185 आईपीएल मैच खेल चुके हैं, जिसमें 3.14 की औसत से 4642 रन बनाए। वह इंडिया प्रीमियर लीग में दो शतक और 30 अर्धशतक लगा चुके हैं। रहाणे आईपीएल 2022 में भी केकेआर का हिस्सा थे। रहाणे ने घरेलू सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रहाणे के नेतृत्व में मुंबई ने ईरानी कप जीता और उनके सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बल्ला जमकर चला। उन्होंने 2024 में एसएमएटी टी-20 में सबसे ज्यादा 469 रन बनाए। उनका आठ पारियों में 58.62 का औसत और 164.56 का स्ट्राइक रेट रहा, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं।

वहीं रहाणे कई मैचों में भारतीय टीम की कमान भी संभाल चुके हैं। वह फिलहाल भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 में खेला था। दूसरी ओर, 30 वर्षीय वेंकटेश ने हाल ही में केकेआर की कप्तानी संभालने की ख्वाहिश का इजहार किया था लेकिन फ्रेंचाइजी ने अनुभव को तरजीह देने का फैसला किया है। वेंकटेश को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है।

लेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में गेंहू उपार्जन के तैयारियों की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई

गेंहू की गुणवत्ता और किसानों को समय पर भुगतान का विशेष ध्यान रखने के निर्देश

किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगा गेंहू का उपार्जन

धान की 15 जून तक शत-प्रतिशत मिलिंग कराएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में गेंहू उपार्जन के तैयारियों की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल होकर प्रमुख सचिव खाद्य रश्मि अरूण शमी ने कहा कि उपार्जन के समय गेंहू की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निर्धारित एफएक्यू से कम गुणवत्ता का गेंहू अमान्य करें। उपार्जित गेंहू का तत्काल उठाव और भण्डारण कराकर स्वीकृति पत्रक जारी करें। किसानों को तीन दिवस में उपार्जित गेंहू का भुगतान देना सुनिश्चित करें। भुगतान किसान के आधार लिंक बैंक खाते में ही दिया जाएगा। परिवहनकर्ताओं तथा सहकारी समितियों को भी समय पर राशि का भुगतान करें। सभी उपार्जन केन्द्रों में नोडल अधिकारी तैनात कराकर कलेक्टर उपार्जन की कड़ी निगरानी करें। बैठक में आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने कहा कि गेंहू उपार्जन के लिए किसानों का 31 मार्च तक पंजीयन किया जाएगा। संभाग के सभी जिलों में अभी पंजीयन बहुत कम है। जिला आपूर्ति अधिकारी कियोस्क सेंटर को उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन की अनुमति तत्काल जारी करें। किसानों को निर्धारित समर्थन मूल्य 2425 रुपए में मुख्यमंत्री जी द्वारा घोषित 175 रुपए बोनस शामिल करके 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेंहू का उपार्जन किया जाएगा। व्यापक प्रचार प्रसार करके किसानों का पंजीयन कराएं। पंजीकृत किसानों द्वारा दर्ज रकबे का गिरदावरी के अनुसार राजस्व अधिकारी सत्यापन करें। सत्यापन करने के बाद ही किसान को गेंहू उपार्जन के लिए स्लाट बुक करने की सुविधा मिलेगी। प्रत्येक खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए छाया, पानी, ठहरने, शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बारिश से उपार्जित गेंहू को सुरक्षित रखने के लिए भी समुचित उपाय करें। कलेक्टर उपार्जन की अवधि में प्रतिदिन गेंहू उपार्जन की समीक्षा करें। इसमें लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्र बनाते समय सरकारी गोदामों को प्राथमिकता दें।

आयुक्त् खाद्य ने कहा कि सर्वेयरों को प्रशिक्षण देकर तैनात करें। उपार्जित गेंहू की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। महाप्रबंधक सहकारी बैंक पंजीकृत किसानों के लंबित ऋणों की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करा दें जिससे उपार्जन के साथ लंबित ऋणों की वसूली भी की जा सके। सभी कलेक्टर गत वर्ष के उपार्जन के आधार पर वर्तमान वर्ष के लिए खरीदी का लक्ष्य निर्धारित करें। इसके अनुरूप खरीदी केन्द्रों में समुचित बारदाने तथा सुरक्षित भण्डारण की व्यवस्था कराएं। बैठक में संचालक नागरिक आपूर्ति निगम तथा स्टेट वेयरहाउस अनुराग वर्मा ने कहा कि अभी गेंहू की आवक शुरू नहीं हुई है। मण्डियों में भी गेंहू के दाम घटकर लगभग 2600 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए हैं। उपार्जन के लिए भी 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर निर्धारित की गई है। इसलिए गत वर्ष की तुलना में खरीदी केन्द्रों में अधिक गेंहू आने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए खरीदी केन्द्रों में तैयारियाँ करें। संचालक ने कहा कि धान की मिलिंग का कार्य बहुत धीमा है। धान की मिलिंग 15 जून तक शत-प्रतिशत पूरी कराएं। मिलर्स को हाल ही में 15 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। शेष राशि का भी शीघ्र भुगतान किया जाएगा। बैठक में घरेलू गैस की पाइप से आपूर्ति से जुड़े निर्माण कार्यों में एनओसी तत्काल जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल, कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, कलेक्टर मऊगंज अजय वास्तव, कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी, अपर कलेक्टर एवं क्षेत्रीय संचालक नागरिक आपूर्ति निगम सपना त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर तथा उपार्जन से जुड़े विभागों के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यांचल ग्रामीण बैंक सोहागी शाखा प्रबंधक ने किसान को धमकाया, जबरन की वसूली!

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के किसानों के हित में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन कुछ भ्रष्ट कर्मचारियों की वजह से किसानों को इन योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। हाल ही में मध्यांचल ग्रामीण बैंक, शाखा सोहागी के प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और मुख्यमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के साथ की गई अनियमितताओं का मामला प्रकाश में आया है।

शाखा प्रबंधक की मनमानी : शाखा प्रबंधक द्वारा बिना खाताधारक की अनुमति के डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत प्रधानमंत्री सम्मान निधि और मुख्यमंत्री सम्मान निधि की राशि को जबरन शाखा सोहागी में स्थानांतरित करवा दिया गया। किसान शेषमणि द्विवेदी, जो कि ग्राम चन्दई, त्यौंथर, रीवा के निवासी हैं, ने बताया कि उनका केसीसी खाता क्रमांक 8008000438 और मुख्यमंत्री आवास योजना ऋण खाता क्रमांक 8078540903 है।

बैंक मैनेजर ने दी धमकी: शेषमणि द्विवेदी के अनुसार, उनके पिता की लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीडित हैं। जिनका ईलाज चल रहा है। फसल उत्पादन में कमी के कारण वे ऋण चुकाने में असमर्थ थे। जब उन्होंने शाखा प्रबंधक से अपनी केसीसी को दोबारा सक्रिय करने और ऋण को धीरे-धीरे चुकाने की अनुमति मांगी, तो उन्हें धमकाया गया। शाखा प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार ने किसानों को धमकाते हुए कहा- कि पूरा पैसा एकमुश्त जमा करो, वरना कानूनी कार्रवाई होगी। यही नहीं, शेषमणि द्विवेदी के छोटे भाई सुजीत कुमार द्विवेदी, जिन्होंने अपना केसीसी और मुख्यमंत्री आवास योजना खाता नियमित करने की इच्छा जताई, उन्हें भी जबरन धमका कर वाउचर पर हस्ताक्षर करवा कर सुजीत की जगह शेषमणि का खाता बंद करवा दिया।

सरकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक नहीं पहुँच रहा: गौरतलब है कि साल 2019 में जब मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार थी, तब मुख्यमंत्री कमलनाथ ने किसानों की कर्ज माफी योजना चलाई थी, जिससे किसानों का कर्ज और बढ़ गया। वर्तमान सरकार ने किसानों के लिए धान पर प्रति हेक्टेयर 4000 रुपये और गेहूं पर 175 रुपये का बोनस देने की योजना लागू की है। साथ ही, किसानों को 5 रुपये प्रति यूनिट की दर से विद्युत पंप कनेक्शन देने की भी घोषणा की गई। लेकिन भ्रष्ट बैंक अधिकारियों के कारण इन योजनाओं का सही लाभ किसानों तक नहीं पहुँच रहा है।

क्या शैलेन्द्र कुमार को विशेष निर्देश मिले हैं? शाखा प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार खुद यह दावा करते हैं कि प्रदेश में सबसे अधिक ऋण उन्होंने वसूला है। वहीं, जब अन्य बैंक शाखाओं जैसे एसबीआई, यूनियन बैंक और पीएनबी से जानकारी ली गई, तो उन्होंने ऐसी किसी भी जबरन डीबीटी प्रक्रिया से इंकार किया। इतना ही नहीं, शाखा प्रबंधक पर यह भी आरोप है कि वे बुधवार को बैंक में लेन-देन बंद करके अपने कुछ खास लोगों के साथ बैंक के अंदर पार्टी करते हैं। अगर 15, 22 और 23 जनवरी 2025 के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए, तो इन आरोपों की सच्चाई सामने आ सकती है।

बजट को जनता के अनुरूप तैयार करने हेतु सुझाव पेटी रखी गई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम रीवा वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट महापौर अजय मिश्रा ''बाबा'' के नेतृत्व में तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। इस क्रम में आगामी बजट को जनता के अनुरूप तैयार करने हेतु सुझाव पेटी रखी गई थी नागरिको के सुझावों का समावेश हेतु आज महापौर अजय मिश्रा ''बाबा'' की उपस्थिति में बजट सुझाव पेटी खोली गई। इस दौरान सुझाव पेटी में नगरवासी, व्यापारीगण, बुद्धजीवियों, पत्रकार बन्धुओं, महिलाओं, छात्रों, राजनीतिक प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकगण इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में भाग लिया एवं उनके द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। जिन पर महापौर ने चर्चा करते हुये अधिकारियों को शहर की आवश्यकताओं के अनुरूप बजट तैयार करने के निर्देश दिए और कहा कि जनता का सुझाव शहर के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं, उन्हें बजट में शामिल कर समावेशी बजट तैयार किया जायेगा। ज्ञातव्य है कि पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी दिनांक 21 जनवरी 2025 से महापौर कार्यालय एवं नगर निगम आयुक्त कार्यालय के बाहर सुझाव पेटी स्थापित किया गया था। महापौर ने कहा कि प्राप्त सुझावों का चयन कर उपयुक्त सुझावों को बजट में शामिल करने का हर संभव प्रयास किया जावेगा। इस पहल का उद्देश्य रीवा शहर को एक सुन्दर, व्यवस्थित और विकासशील शहर बनाने में नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य प्रभारी वित्त रवि तिवारी, धनेन्द्र सिंह बघेल, उपायुक्त राजस्व एमएस सिद्दीकी, सहायक आयुक्त वित्त रामनरेश तिवारी मौजूद रहे।

एलजी शोरूम में लगी भीषण आग, 50 लाख से अधिक का नुकसान

शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बजरंग नगर के पास एलजी शोरूम में भीषण आग लगी है। जहां पूरा शोरूम ही जलकर खाक हो गया है। मौके पर पुलिस प्रशासन सहित दमकल की टीम मौजूद है। जहां 5 दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना में 50 लाख से अधिक के नुकसान का आकलन है।भीषण आग की वजह से सिरमौर चौराहे से नए बस स्टैंड जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट किया है। उधर घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का शोरूम होने के कारण आग की लपटें आसमान छू रही हैं।

एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के शोरूम में हुई आगजनी की यह घटना किन कारणों से हुई है। अभी तक इसका खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन अभी शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका है। आग पर काबू पाने के बाद ही नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। आग शाम 6 बजे लगी। जहां रात 8 बजे तक दमकल की टीम आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रही है।

जनसुनवाई में 75 आवेदकों की सुनीं गई समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में 75 आवेदकों की समस्यायें सुनीं गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर एवं संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले ने राजस्व, पेंशन, शिक्षा, ग्रामीण विकास, कृषि सहित अन्य विभागों से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई करते हुए प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर समाधानकारक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

जनसुनवाई में प्रेमवती तिवारी डेल्ही निवासी ने भूमि के मुआवजा प्रदाय किये जाने तथा अभिलेख वास्तव बहुरीबांध ने खसरा सुधार के आवेदन दिये जिन्हें संबंधित एसडीएम को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। वीरखाम निवासी ललऊ रावत के कैंसर इलाज कराने तथा सुरेश बंसल नयातालाब हुजूर के असाध्य रोग के इलाज के आवेदन पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को परीक्षण कर निःशुल्क इलाज कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। ज्ञानवती सोनकर अकौरी के आवासीय प्लाट को अतिक्रमण मुक्त कराने, मुन्नीलाल निवासी महिलों जवा ने अवरूद्ध मार्ग को खुलवाने, रामानुज दुबे पथरी निवासी के घर गिरने पर सहायता राशि प्रदान करने, उलही निवासी राजबहोर के नक्शा तरमीम किये जाने के आवेदनों को संबंधित तहसीलदार को कार्यवाही करने हेतु प्रेषित किया गया। गयाशरण सिंह कचूर के किसान सम्मान निधि प्रदाय करने के आवेदन को एसएलआर को, क्षेत्रपाल द्विवेदी बगिहा गंगेव के खाद्यान्न पर्ची प्रदाय करने के आवेदन को खाद्य अधिकारी प्रेषित कर समुचित कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। रामदास कोरी दादर निवासी ने जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने का आवेदन दिया जिसे बनकुंइया सर्किल नायब तहसीलदार को कार्यवाही करने हेतु तथा राघवेन्द्र सिंह गढ़ निवासी के विद्युत मोटर के बिल में सुधार कराने के आवेदन को विद्युत मंडल के अधिकारी को समाधानकारक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रेषित किया गया। जनसुनवाई में तहसीलदार जितेन्द्र तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गर्भवती और धात्री महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन कराएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल प्रमुख सचिव रश्मि अरूण शमी ने कहा कि गर्भवती और धात्री महिलाओं का पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीयन कराएं। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से नियमित जाँच सुनिश्चित करें। इन्हें नियमित रूप से पोषण आहार का वितरण कर पोषण वितरण ट्रैकर पोर्टल पर जानकारी दर्ज कराएं। प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र का माह में कम से कम 20 दिन खुलना सुनिश्चित करें। जो आंगनवाड़ी केन्द्र 10 दिन से कम खुले हैं उनके कार्यकर्ता और सहायिका को पद से पृथक करने की कार्यवाही करें। परियोजना अधिकारी और सुपरवाइजर लगातार क्षेत्र का भ्रमण करके आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा उनसे दी जाने वाली सेवाओं की निगरानी करें। प्रमुख सचिव ने कहा कि सभी कलेक्टर माह में कम से कम एक बार सुधार गृहों का निरीक्षण करें। दत्तक योजना में शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए निराश्रित शिशुओं को पात्र दम्पत्तियों को दत्तक के रूप में लेने के संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करें। कुपोषित तथा अति कुपोषित बच्चों की परियोजनावार सूची उपलब्ध कराई गई है। इन सभी बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार तथा उपचार की सुविधा देकर इनके पोषण स्तर में सुधार के प्रयास करें। आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज कम वजन के सभी बच्चों का एक माह में सत्यापन कराकर उन्हें समुचित उपचार की सुविधा दें। नियमित निरीक्षण करके आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों का सही वजन और लंबाई दर्ज कराएं। कम पोषित बच्चों को बाल आरोग्य योजना के तहत उपचार की निःशुल्क सुविधा दें।

प्रमुख सचिव ने कहा कि कलेक्टर हर माह जिला पोषण समिति की बैठक में महिलाओं और शिशुओं के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करें। पोषण आहार के लिए स्वसहायता समूहों को हर माह समय पर आवंटित खाद्यान्न उपलब्ध कराएं। आंगनवाड़ी केन्द्रों में पेयजल, बिजली तथा शौचालय की व्यवस्था की भी समीक्षा करें। आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन की निगरानी कलेक्टर तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी डैशबोर्ड के माध्यम से करें। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में अब पात्र महिलाओं को लगातार भुगतान किया जा रहा है। कलेक्टर हर सप्ताह इस योजना से लंबित भुगतान की समीक्षा करें। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों का तत्परता से निराकरण कराएं। बैठक में प्रमुख सचिव ने पोषण पुनर्वास केन्द्र, लाड़ली लक्ष्मी योजना, छात्रवृत्ति वितरण तथा टेकहोम राशन के वितरण के संबंध में निर्देश दिए।

मेगा जॉब फेयर में 31 कंपनियों द्वारा किया जाएगा युवाओं का चयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला मुख्यालय स्थित टीआरएस कॉलेज में युवा संगम का आयोजन 17 मार्च को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया गया है। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित मेगा जॉब फेयर में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेगा जॉब फेयर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 31 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 45 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 9 हजार रुपए से 40 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, समग्र आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

राशन कार्डधारियों की ई केवाईसी 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से करें - आयुक्त खाद्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित संभागीय बैठक में आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने खाद्यान्न वितरण की समीक्षा की। संचालक खाद्य ने कहा कि उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न प्राप्त करने वाले सभी परिवारों का 31 मार्च तक ई केवाईसी अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। इसी समय सीमा में डुप्लीकेट परिवारों, एक सदस्यीय परिवारों, दो सदस्यीय परिवारों तथा सात से अधिक सदस्य संख्या वाले परिवारों का घर-घर जाकर शत-प्रतिशत सत्यापन कराएं। ईकेवाईसी और सत्यापन का कार्य युद्ध स्तर पर करें। सभी कलेक्टर प्रतिदिन इसकी समीक्षा करके शत-प्रतिशत राशन कार्डधारियों का ईकेवाईसी सुनिश्चित करें। इसके लिए सभी जिला आपूर्ति अधिकारी और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लगातार प्रयास करें। उचित मूल्य दुकानों का नियमित निरीक्षण करें। जो दुकानें माह में 10 दिन से कम खुली हैं उनके सेल्समैन को पद से पृथक करने की कार्यवाही करें। उचित मूल्य दुकान का माह में कम से कम 20 दिन खुलना सुनिश्चित करें। उचित मूल्य दुकानों के खुलने के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे।

आयुक्त ने कहा कि आवंटित खाद्यान्न के उठाव और वितरण में कई कमियाँ हैं। नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा प्रदान खाद्यान्न ट्रकों के माध्यम से उचित मूल्य दुकान में पहुंचने पर उसकी ऑनलाइन पावती अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। पावती प्राप्त न होने को गंभीर अनियमितता मानते हुए कड़ी कार्यवाही करें। कलेक्टर तथा जिला आपूर्ति अधिकारी खाद्यान्न के उठाव और वितरण की ऑनलाइन निगरानी करें। संभाग के सभी जिलों में राशन कार्डधारियों के सत्यापन की गति बढ़ाएं। डुप्लीकेट परिवारों तथा ई श्रम पोर्टल के माध्यम से दर्ज मजदूर परिवारों का 31 मार्च तक शत-प्रतिशत सत्यापन करके ऑनलाइन जानकारी दर्ज कराएं। जिला आपूर्ति अधिकारी एक सप्ताह में सभी उचित मूल्य दुकानों में उपलब्ध खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन करके ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करें।

आयुक्त ने कहा कि कलेक्टर साप्ताहिक बैठक में आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा छात्रावासों को आवंटित खाद्यान्न के उठाव एवं वितरण की समीक्षा करें। जिला आपूर्ति अधिकारियों एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों के उचित मूल्य दुकानों के निरीक्षण का रोस्टर बनाकर नियमित निरीक्षण कराएं। महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े स्वसहायता समूहों को आवंटित खाद्यान्न में से मैहर जिले में 83 प्रतिशत, सतना में 88 प्रतिशत, सीधी में 90 प्रतिशत तथा मऊगंज में 91 प्रतिशत आपूर्ति की गई है। संबंधित जिलों के जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा खाद्य अधिकारी इस संबंध में स्पष्टीकरण दें। बैठक में खाद्यान्न के परिवहन, अन्नदूत परिवहनकर्ताओं का बीमा कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में संचालक नागरिक आपूर्ति निगम अनुराग वर्मा, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, अपर संचालक खाद्य एचएस परमार, खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम, मप्र वेयरहाउस तथा भारतीय खाद्य निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली विभाग में मनाया गया लाइनमैन दिवस - लाइनमैनों को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पावर हाउस कैम्पस अमहिया रीवा स्थित श्रम कल्याण केन्द्र में लाइनमैन दिवस मनाया गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाइनमैनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। लाइनमैन सम्मान समारोह का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता बृजेश कुमार शुक्ल ने प्रबंधक संचालक पूर्व क्षेत्र अनय द्विवेदी के लाइनमैन दिवस संदेश वाचन किया। संदेश में लाइनमैन दिवस पर उन्हे शुभकामना के साथ प्रमुखता यह थी कि ''बिजली क्षेत्र किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है जो देश की विकास यात्रा का सक्षम बनाता है और इस एकीकृत और परस्पर जुडी प्रणाली को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के माध्यम से चालू रखने वाली शक्ति ''लाइनमैन'' है। उनकी निःस्वार्थ सेवा के प्रति कृतज्ञता और स्वीकृति के संदेश के रूप में ''लाइनमैन दिवस'' मनाने की परम्परा पूर्व क्षेत्र कम्पनी में गत वर्ष 4 मार्च को प्रारम्भ की गई थी। लाइनमैन दिवस उन अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियो के प्रति सम्मान और मान्यता का दिन है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।